जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 182 प्रभात बीकानेर, बुधवार 22 जनवरी, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

अमेरिका को औद्योगिक उत्पादन का केन्द्र बनाना, कर्णप्रिय नारा ही रह जायेगा?

क्या अमेरिका अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, ऊर्जा, डिजिटल नैटवर्क में इतना पैसा लगा सकेगा, जिससे अमेरिका में औद्योगिक गतिविधि बढ़ाने (काम करना) का खर्चा, चीन में काम करने के खर्चे की तुलना में महंगा न हो।

- ऑपरेटिंग कॉस्ट कम करने के लिये शिक्षा व स्किल डवलपमैंट में भारी तब्दीली की जरूरत होगी।
- चीन में निर्मित वस्तुओं पर भारी टैक्स से चीन व अमेरिका में प्रतिस्पर्धा व दूरी बढ़ेगी तथा अन्य देशों को किसी न किसी की तरफ झुकना होगा, जिससे विश्व में तनाव बढ़ेगा।
- ट्रम्प की नीतियों के कारण विश्व की वर्तमान व्यवस्था (ग्लोबल ऑर्डर) बदलेगी तथा अमेरिका की अन्य देशों के साथ में लेकर, उनके साथ मंथन करके नीति निर्धारण करने की आदत नहीं है और यह आदत मजबूत होगी, जिससे ध्रुवीकरण बढ़ेगा।
- इससे कुछ देशों को थोड़ा लाभ हो सकता है, पर, अधिकतर देशों को इस इकोनॉमिक भूचाल का सामना करने में काफी कष्ट होगा।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। अपनी बात को सच सिद्ध करते हुये, डॉनल्ड ट्रम्प सोमवार को फिर से अमेरिकन राष्ट्रपति बन गये हैं, भले ही वहाँ के तमाम सन्तुलन बिगड़ गये हों। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में संरक्षणवाद, अमेरिकन मैन्युफैक्चरिंग के पुनरोद्धार तथा "अमेरिकन फर्स्ट" की नीतियों पर जोर दिया था। उनका यह भाषण रुढ़िवादी अमेरिकनों तथा उन लोगों को बहुत प्रिय लगा होगा, जिन्होंने उन्हें पतनोन्मुखी अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के लिये उन्हें विशाल जनादेश दिया है।

ट्रम्प की भाव-भंगिमा नीतियों के मामले में शेष विश्व को उनके अनुकूल होना आवश्यक कर देगी। अनिश्चितता के इस दौर में अन्य राष्ट्र स्थिरता और ग्रोथ बनाये रखने के लिये अपनी नीतियों में आंशिक बदलाव के लिये मजबूर हो जायेंगे।

घरेलू निर्माण को प्राथमिकता देना एवं आयातों पर निर्भरता कम रखने को प्राथमिकता देने का ट्रम्प का वादा व्यापार में अवरोधों के फिर से उभरने, जिनमें टैक्स और कड़ी व्यापारिक नीतियाँ शामिल हैं, का संकेत दे रहा है। यह चीज वैश्वीकरण को अलविदा कहने का प्रतीक है तथा इससे लम्बे समय से स्थापित ट्रेड-पैटर्न अवरुद्ध होंगे तथा वैश्विक बाजार में अनिश्चितता पैदा होगी।

जहाँ तक अमेरिका को अग्रणी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की आकांक्षा का प्रश्न है, यह एक महत्वाकांक्षा है तथा इसमें बहुत बाधाएं आयेंगी। अमेरिकन मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर उन्नत उद्योगों की दिशा में बढ़ चुका है, जिसके लिये अत्यधिक कुशल श्रमिकों की आवश्यकता है। चीन, जिसे कॉस्ट एफिशिएंसी के लिये जाना जाता है, जैसे देशों की प्रतियोगिता में, नवाचार और स्वचालित मशीनों की जरुरत होगी,

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पूरे देश में 26 जनवरी को किसान ट्रैक्टर मार्च

सिरसा, 21 जनवरी। सयुंक किसान मोर्चा (एसकेएम) गैर-राजनीतिक, केएमएम व जगजीत सिंह डल्लेवाल के आव्हान पर 26 जनवरी को पूरे देश में किसान ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे, जिसके लिए पांच पॉइंट दिए गए हैं। साईलोज, टोल प्लाजा, भाजपा मुख्यालय, एमपी, एमएलए, मंत्रियों के घर, शॉपिंग मॉल व राष्ट्रीय व राज्यमार्ग पर दोपहर 12 बजे से लेकर 1.30 बजे तक पूरे देश के किसानों का ट्रैक्टर सड़कों पर होगा।

इसी कड़ी में सिरसा जिले में भी

- संयुक्त किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष लखविन्दर सिंह ने घोषणा की।

कई पॉइंट बनाए गए हैं, जिसमें भावदीन टोल प्लाजा, खुईया टोल प्लाजा, ओढ़ां से पन्नीवाला, साहुवाला, खारिया, सादेवाला, बनी, दमदमा, पोहड़का, चोपटा, रोड़ी से फग्गू सहित कई जगहों पर 26 जनवरी को दोपहर 12 बजे से 1.30 बजे तक किसान अपने ट्रैक्टरों से मार्च निकालेंगे।

उक्त जानकारी बीकेई प्रदेशाध्यक्ष लखविंदर सिंह ने मंगलवार को मीडिया को दी। उन्होंने बताया कि पिछले 344 दिनों से खनौरी, शंभू व रतनपुर बॉर्डरों पर एसपी खरीद गारंटी कानून व किसानों, मजदूरों की कर्ज माफी सहित 12 मांगों को लेकर किसान आंदोलन-2 चल रहा है।

पंजाब-हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'ब्रिक्स देश "डॉलर" से दूरी बनायें और हम देखते रहें?'

ट्रम्प ने पद संभालते ही ब्रिक्स देशों को चेतावनी दी और कहा कि विश्व व्यापार में डॉलर के महत्व को घटाने का प्रयास हुआ तो अमेरिका ब्रिक्स देशों पर सौ प्रतिशत शुल्क लगायेगा

- धमकी की फुसफुसाहट होते ही भारत ने इस मुद्दे पर समझौते की बात करनी शुरु कर दी।
- विदेश मंत्री जयशंकर ने दोहा में कहा, भारत का कोई इरादा नहीं है, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में डॉलर का महत्व कम करने का। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा "ट्रेड पार्टनर" है और हमारा डॉलर के महत्व को कम करने का कतई इरादा नहीं है।
- जैसा कि विदित ही है, अन्तर्राष्ट्रीय डॉलर का हिस्सा, जो 1999 में 71 प्रतिशत था, अब 2024 के मध्य में घट कर 58 प्रतिशत रह गया है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। पदभार ग्रहण करने के शीघ्र बाद, प्रैसिडैंट डॉनल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, पर सौ प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाने का सुझाव दिया। ट्रंप का दावा है कि यह कदम वॉशिंगटन और दिल्ली के बीच व्यापारिक समीकरण को नया रुप दे सकता है।

ओवल ऑफिस से कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, "एक ब्रिक्स देश के रुप में अगर वे उस योजना को लागू करने के बारे में सोचते भी हैं, तो उन्हें सौ प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वे इसे तुरंत छोड़ देंगे।" उनके बयान का संकेत ब्रिक्स देशों की, वैश्विक व्यापार में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता को कम करने की सोच की तरफ था। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उनका बयान एक दृढ़ रुख है, न कि धमकी।

शपथ ग्रहण से पहले, ट्रंप ने दिसम्बर 2024 में ही चेतावनी दे दी थी कि वे ऐसे शुल्क लागू करेंगे, जब तक ब्रिक्स देश यह वचन नहीं देते कि वे अमेरिकी डॉलर का विकल्प नहीं बनाएंगे। अपने "ट्रुथ सोशल" प्लेटफॉर्म पर उन्होंने कहा, "ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाएं और हम देखते रहें, अब ऐसा नहीं होगा।"

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिसम्बर 2024 के दोहा फोरम में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने में भारत की रुचि नहीं है। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भारत के उनके साथ मजबूत संबंधों का हवाला देते हुए जयशंकर ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच व्यक्तिगत कनैक्शन है। भारत डॉलर-निर्भरता को कम करने की कोशिश नहीं कर रहा है, और ब्रिक्स की अपनी अलग मुद्रा का कोई प्रस्ताव नहीं है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है, और डॉलर को कमजोर करने का कोई कारण नहीं है।"

ब्रिक्स, जो दस देशों- भारत, रुस, चीन, ब्राज़ील, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, और यूएई का एक गठबंधन है, अमेरिकी डॉलर के विकल्प की तलाश करता रहा है। यह प्रयास 2022 में रुस पर अमेरिकी नेतृत्व वाले प्रतिबंधों के बाद और अधिक मजबूत हुआ। रुस डॉलर-निर्भरता को कम करने का मुखर समर्थक रहा है और इसे पश्चिमी -प्रभुत्व वाले वित्तीय सिस्टम से दूर रहने की रणनीति के रुप में देखता है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एआईसीसी में काम-काज लगभग ठप्प है, फेरबदल के इंतजार में

कई पदाधिकारी पूर्णतया अस्वस्थ हैं, कई "अच्छी" जिम्मेवारी की चाह में कई बार वर्तमान पद छोड़ने की प्रबल इच्छा जाहिर कर चुके हैं, पर, संभावित व बहुप्रतीक्षित फेरबदल केवल चर्चाओं तक ही सीमित है

- के.सी. वेणुगोपाल, सुरजेवाला, सुखविन्दर सिंह रंधावा, हरियाणा प्रभारी बाबरिया, देवेन्द्र यादव, भँवर जितेन्द्र सिंह, अविनाश पाण्डेय, उस लिस्ट में प्रमुख हैं, जिनको पद मुक्ति की पुरानी आशा है। पर, फिलहाल, फेरबदल होता नज़र नहीं आ रहा, क्या ऐसे में नरेन्द्र मोदी की भाजपा को हराने की तैयारी हो रही है, कांग्रेस में।

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 जनवरी। इस समय एआईसीसी में काम-काज वस्तुतः रुक-सा गया है, क्योंकि अत्यधिक सीनियर तथा उनसे कुछ कम सीनियर नेतागण एआईसीसी में लम्बे समय से चर्चित और सोची-समझी फेरबदल होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

लेकिन अभी तक तो केवल सुगबुगाहट एवं अपेक्षाएं ही अस्तित्व में है, उस दिशा में किसी प्रकार की जमीनी हलचल या गतिविधि दिखाई नहीं दे रही है।

एक पार्टी पदाधिकारी ने कहा कि बदलाव तो काफी लम्बे समय से लम्बित हैं, लेकिन अब तक ऐसा प्रतीत नहीं हुआ है कि इस मामले में कोई गंभीर कवायद हुई है या हो रही है।

ऐसे नेता, जो काफी अस्वस्थ हैं तथा अपना काम करने की स्थिति में नहीं हैं, आज भी अपने पदों पर बने हुये हैं।

बाबरिया, जो अस्पताल में भर्ती थे, आज भी हरियाणा के प्रभारी हैं, जबकि उन्हें दिल्ली का प्रभार भी संभालना है, जिसे वे अभी तक नहीं संभाल पाये हैं। वे अभी हरियाणा प्रभारी पद से मुक्त नहीं किये गये हैं।

दिल्ली के पीसीसी अध्यक्ष देवेन्द्र यादव पंजाब के प्रभारी भी हैं। यह स्थिति हर तरह से बेमेल ही मानी जायेगी। इससे भी ऊपर एक बात और वे दिल्ली विधानसभा चुनाव भी लड़ रहे हैं तथा पप्पू यादव आज उनके चुनाव क्षेत्र में प्रचार करने भी आये थे।

भँवर जितेन्द्र सिंह, जो दो राज्यों- मध्य प्रदेश एवं असम, के प्रभारी हैं, ने पार्टी नेतृत्व को पत्र लिखा है कि वे मध्य प्रदेश का प्रभार छोड़ना तथा असम के प्रभारी बने रहना चाहते हैं। उनके नेतृत्व में, कांग्रेस की ओडिशा में जबरदस्त हार

(शेष पृष्ठ 3 पर)

गौतम अडानी ने महाकुंभ में पूजा की

प्रयागराज, 21 जनवरी। महाकुंभ में अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने संगम पर पूजा-अर्चना की और प्रसिद्ध बड़े हनुमान जी के मंदिर में दर्शन किए। संगम में पूजा करने के बाद मीडिया से बात करते हुए गौतम अडाणी ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में मुझे जो अनुभव हुआ, वो अद्भुत है। यहां के प्रबंधन के लिए मैं देशवासियों की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी

- इस्कॉन के साथ अडानी समूह महाकुंभ में रोज एक लाख श्रद्धालुओं को महा प्रसाद का वितरण कर रहा है।

आदित्यनाथ को धन्यवाद देना चाहता हूं। यहां जो प्रबंधन है- वो प्रबंधन संस्थानों के लिए शोध का विषय है। मेरे लिए मां गंगा के आशीर्वाद से बढ़ कर कुछ नहीं है। गौतम अडाणी ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में अवसर बहुत ज्यादा हैं, राज्य के विकास में अडाणी ग्रुप का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। अडानी इस्कॉन पंडाल में आयोजित भंडारा सेवा में भी शामिल हुए।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कोलकाता रेप-मर्डर केस, सीजेआई आज करेंगे सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में जाँच की खामियों को लेकर दर्ज याचिका में मृतक जूनियर डॉक्टर के माता-पिता भी पार्टी हैं

- मृतक जूनियर डॉक्टर के पिता ने 42 सवालों, जिनके उन्हें जवाब नहीं मिले हैं, की लिस्ट लेकर सुप्रीम कोर्ट में दस्तक दी है। ऐसी संभावना है कि सुप्रीम कोर्ट केस को रीओपन कर सकता है।
- मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सियालदह सिटी कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी, उन्होंने आरोपी संजय रॉय को फांसी देने की मांग की।
- वहीं, मृतका के परिजनों व कई अन्य का कहना है कि इस जाँच में कई बड़े लोगों को बचाया गया है।
- कानून विशेषज्ञों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के साथ समूचा केस नया मोड़ ले सकता है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। आर.जी. कर मैडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल में जूनियर डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या का मामला दिन पर दिन और ज्यादा जिज्ञासा का मसला बन रहा है।

कोलकाता के सिटी कोर्ट ने मुख्य आरोपी को आजीवन कारावास की सजा दी है और अब सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की बैंच में बुधवार को केस की सुनवाई होगी जिसमें जांच के नतीजों की समीक्षा की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में दर्ज याचिका में मृतक डॉक्टर के माता-पिता भी पार्टी हैं।

सुप्रीम कोर्ट जांच की खामियों और दोषों की जानकारी दी गई है संभावना है कि मामले को फिर खोला जाएगा ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस अपराध में अन्य लोग भी शामिल थे।

सियालदह सिटी कोर्ट के फैसले को राज्य सरकार ने भी हाईकोर्ट में चुनौती दी है जिस पर बुधवार को सुनवाई होगी।

राज्य राजनैतिक दल भी इस पूरे फैसले तथा घटनाक्रम जो मोड ले रहे हैं उस पर काफी सक्रिय हैं। जिसकी भाजपा राज्य सरकार हर साजिश में शामिल होने तथा सबूत नष्ट करने का आरोप लगा रही है और सत्तारूढ पार्टी यह साबित करने में रात दिन एक कर रही है कि आरोपी को सजा दिलाने के लिए वह कितनी गंभीर है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले दिन से ही आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग कर रही है और अब सियालदह कोर्ट के फैसले के बाद उन्होंने आरोपी संजय रॉय को फांसी देने की मांग पर ज्यादा शोर मचाना शुरू कर दिया है।

कानूनविद मानते हैं कि सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर बैंच के समक्ष रेप व मर्डर का यह मामले आने से समूचे केस ने नया मोड़ ले लिया है सबसे महत्वपूर्ण बात है राज्य पुलिस के आचरण व्यवहार पर सवाल उठ रहे हैं।

सियालदह कोर्ट के 132 पृष्ठ के फैसले में पुलिस के आचरण पर आरोप

(शेष पृष्ठ 3 पर)

संकल्प पत्र-2 में भाजपा ने विद्यार्थियों व कामगारों के लिये घोषणायें कीं

नयी दिल्ली, 21 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए संकल्प पत्र का दूसरा हिस्सा जारी किया। विकसित दिल्ली संकल्प पत्र -2 को पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जारी किया। इस मौके पर उन्होंने दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के घोटालों की जांच कराने की बात कहते हुए कहा, हम जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं। मोदी की गारंटी है कि दिल्ली में हर गारंटी पूरी होगी।

- जरुरतमंद बच्चों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा दी जायेगी।

भाजपा ने अपने संकल्प पत्र-2 में विद्यार्थियों के लिए एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि दिल्ली में जरूरतमंदों के बच्चों को केजी से पीजी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'केवल अमेरिका में पैदा होना, किसी शिशु को अमेरिकी नागरिक होने का अधिकार नहीं देगा'

राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिका में "बर्थ टूरिज़्म" खत्म करने का आदेश पारित किया

- "अगर किसी शिशु के माता-पिता में से एक अमेरिका का नागरिक नहीं है और वह दम्पती अस्थाई "वर्क परमिट" लेकर अमेरिका में रह रहा है या टूरिस्ट वीज़ा पर अमेरिका आया है, तो उनकी संतान को स्वमेव अमेरिका की नागरिकता नहीं मिलेगी।
- अमेरिका में 54 लाख भारतीय हैं, जिसमें से 2/3 इमिग्रैंट्स (अप्रवासी) हैं तथा 34 प्रतिशत अमेरिका में जन्मे हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने और वाइट हाउस लौटने के साथ ही ट्रम्प ने बिना वक्त गंवाए अमेरिका को पुनः महान बनाने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने और मौजूदा व्यवस्था को अस्थिर करने की "डिसरप्शन" योजना शुरु कर दी है।

वॉशिंगटन डी.सी. में कैपिटल हिल से दिए गए भाषण में ट्रम्प के समर्थकों ने उस समय भारी उत्साह दर्शाया, जब ट्रम्प ने कहा, अब से अमेरिका की अधिकारिक नीति में दो ही जैंडर होंगे "मेल और फीमेल।" ट्रम्प ने शपथ ली कि जाति और लिंग को सार्वजनिक एवं निजी जीवन के हर पहलू में "सोशल इंजीनियरिंग" के प्रयासों को हटाया जाएगा।

उन्होंने ऐसा देश बनाने की घोषणा की, जो "कलर ब्लाइंड" और मैरिट पर आधारित होगा।

पनामा नहर को वापस लेने की घोषणा की, साथ-साथ इन्फ्लेशन के लिए सरकार के बढ़ते खर्च को जिम्मेदार ठहराने तक ट्रम्प के भाषण में कई बड़े-बड़े दावे और घोषणाएं की गईं, इसके बाद कई एग्ज़ीक्युटिव ऑर्डर्स पारित हुए।

अपने उद्घाटन भाषण में ट्रम्प का अंदाज़ बेहद उग्र था, उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की काफी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि वे सरकार के "वेपनाइज़ेशन" के पीड़ित थे, उन्होंने सरकार को उग्र व भ्रष्ट संस्थान बताया।

ट्रम्प ने कहा, मेरा चुनाव भयानक विश्वासघात को पलटने के लिए था, आज से अमेरिका के पतन के दिन खत्म हुए।

अपने भाषण में कहा, इस समय पनामा शहर पर चीन का कब्जा है। अमेरिका का एमरजैंसी रैस्पॉन्स सिस्टम टूट चुका है और विदेशों की जेलों और मानसिक संस्थानों से आए लोगों को अमेरिका में शरण दी जा रही है।

ट्रम्प ने अपने कार्यकाल की शुरुआत कई कार्यकारी आदेशों से की, जिनमें ऊर्जा, इमिग्रेशन अपराध की माफी जैसी घोषनाएं थीं

ट्रम्प ने उन 1500 लोगों का माफी दे दी, जो 2021 में अमेरिका के कैपिटल हिल में घुसे थे। उन्होंने, मैक्सिको सीमा पर आपातकाल लगाया।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद बनी वैश्विक व्यवस्था को करारा झटका देते हुए ट्रम्प ने अमेरिका को पैरिस क्लाइमेट डील और वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइज़ेशन से अलग कर दिया।

उन्होंने अपराधी गुटों को आतंकी संगठन करार देने की घोषणा की।

अमेरिकन परम्परा को एक और झटका देते हुए ट्रम्प ने गैर स्थायी निवासियों के बच्चों को जन्म के आधार पर अमेरिका की नागरिकता मिलने के अधिकार को खत्म कर दिया। यह फैसला अमेरिका में स्थायी वीज़ा पर रहने वाले लाखों भारतीय को प्रभावित कर सकता है।

यह निर्णय 30 दिन में प्रभावी हो सकता है, पर इसे कानूनी चुनौती दी जा सकती है। न्यू हैम्पशायर के इमिग्रेशन वकीलों ने इस आदेश के खिलाफ केस भी दायर कर दिया है।

जन्मसिद्ध नागरिकता वह कानूनी सिद्धांत है, जिसके आधार पर बच्चों को इस देश की नागरिकता मिलती है, जहाँ वे जन्म लेते है, भले ही उनके माता-पिता की राष्ट्रीयता कुछ भी हों।

अमेरिका के संविधान में हुए 14वें संशोधन, जो 1868 में हुआ था, के तहत यह सिद्धांत लागू किया गया था। इसका उद्देश्य था गुलामी से मुक्ति पाने वालों की स्थिति स्पष्ट करना। इसके तहत अमेरिका में जन्म लेने वाले सभी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सैफ 5 दिन बाद अस्पताल से घर पहुंचे

मुंबई, 21 जनवरी। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान, जो बांद्रा स्थित अपने घर पर चोरी के प्रयास में किए गए हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, को पांच दिन बाद मंगलवार को मुंबई के लीलावती अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस मौके पर अभिनेता की मां एवं पूर्व अभिनेत्री शर्मिला टैगोर उनके साथ थीं। सैफ की पत्नी और अभिनेत्री करीना कपूर खान अस्पताल

- संक्रमण से बचने के लिये उन्हें एक सप्ताह आगंतुकों से नहीं मिलने की सलाह दी गई है।

में मौजूद थीं लेकिन कुछ देर पहले घर के लिए रवाना हो गईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सैफ को किसी भी संक्रमण से बचने के लिए एक सप्ताह तक पूरी तरह आराम करने और आगंतुकों से न मिलने की सलाह दी गई है। अस्पताल के साथ-साथ खान के आवास पर भी भारी पुलिस तैनाती

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

संसार के दुःखियों में पहला दुःखी निर्धन है। उससे दुःखी वह है जिसे किसी का ऋण चुकाना हो। इन दोनों से अधिक दुःखी वह है, जो सदा रोगी रहता हो और सबसे दुःखी वह है, जिसकी पत्नी दुष्टा हो। –विदुरनीति

गहलोत सरकार के समय राजस्थान में वित्त प्रबंधन के हाल ठीक नहीं

राजस्थान के वित्तीय हालात पर सीएजी की नई सालाना रिपोर्ट आ गई है। इसमें वित्त वर्ष 2022-23 के सरकार के लेखों और खातों का विश्लेषण किया गया है। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार प्रति वर्ष आने वाली सीएजी की रिपोर्टें राज्य विधान सभा में प्रस्तुत की जाती है। उनकी टिप्पणियों पर विधानसभा की जनलेखा समिति में चर्चा होती है जिसमें प्रसासनिक अधिकारियों को तलब कर जवाब मांगा जाता है। मगर आम तौर पर विधानसभा के गिने-चुने सदस्य ही इन रिपोर्टों पर नज़र डालते हैं। उन्हें गौर से पढ़ने और उसके आधार पर सदन में बहस करने की कोई जहमत नहीं उठाता। ऐसे में आम जन से कैसे अपेक्षा की जा सकती है कि वह ऐसी रिपोर्टें पढ़ कर राजकोष के प्रबंधन के बारे में गहराई से समझे और अपने उन प्रतिनिधियों से सवाल करे जिन्हें उसने अपना वोट देकर संसद और विधान सभाओं में भेजा है। सीएजी की यह रिपोर्ट हमें चिंता में डालती है, क्योंकि वह कहती है कि सरकार की प्राप्तियों और व्यय अर्थात आमद और खर्च के बीच अंतर लगातार बढ़ रहा है। आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया जैसे हालात बन रहे हैं। संवैधानिक संस्था की यह रिपोर्ट राजकोषीय तनाव का स्पष्ट संकेत देती है। जैसे कि इस रिपोर्ट को पढ़ कर हम पाते हैं कि राजस्थान सरकार की राजस्व प्राप्तियां 2018-19 से 2022-23 तक 1,37,873 करोड़ से बढ़कर 1,94,988 करोड़ हुई। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकार की आमदनी में औसत वार्षिक वृद्धि की दर 9.75 प्रतिशत रही। इन राजस्व प्राप्तियों में सहायता अनुदान का हिस्सा 2018-19 में 14.53 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 15.31 प्रतिशत हो गया, जो केंद्र सरकार से मिला। रिपोर्ट कहती है कि यह हालत राज्य की केंद्र पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाती है। हालांकि इसका एक सकारात्मक पहलू यह माना जा सकता है कि राज्य में इस दौरान विपक्ष की सरकार रही और उसको अनुदान देने में केंद्र सरकार ने भेद-भाव नहीं किया। हालांकि ऐसे राजनैतिक आरोप अमूमन लगते रहे हैं। राजस्थान को केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के लिए केंद्र के हिस्से के रूप में 14,554 करोड़ मिले।

इसे समझने के लिए किसी वित्तीय ज्ञान की डिग्री की जरूरत नहीं होती कि घाटे से गाड़ी नहीं चलती। जब राजस्व प्राप्ति की तुलना में राजस्व व्यय की अधिकता होती है तो उसके परिणामस्वरूप राजस्व खाते में घाटा होगा ही। राज्य का राजस्व घाटा वर्ष 2018-19 में 28,900 करोड़से बढ़कर चालू वर्ष में 31,491 करोड़ रुपये का हो गया। इसे राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के प्रतिशत के रूप में देखा जाए तो वह 2018-19 में यह घाटा 2.23 प्रतिशत था जो बढ़ कर 3.17 प्रतिशत हो गया। दूसरी तरफ राज्य सरकार ने पूंजी खाते पर केवल 19,798 करोड़ खर्च किए। पूंजी खाता वह होता है जिसमें राज्य की संपत्ति का निर्माण होता जो राज्य को आमदनी देती है। यह पूंजीगत खर्च वर्ष 2022-23 में कुल व्यय का केवल 8.03 प्रतिशत था। यह गौर करने की बात है कि पूंजीगत व्यय कुल उधार का मात्र 5.10 प्रतिशत था। इसका खुलासा करते हुए रिपोर्ट बताती है कि सरकार रुपये उधार लेकर उसका उपयोग मुख्य रूप से पूंजी निर्माण/विकास गतिविधियों पर करने के बजाय वर्तमान खपत को पूरा करने और पुरानी उधारी चुकाने के लिए कर रही है। उधार लेकर उधारी चुकाने की नौबत हो तब तो सरकार से अपेक्षा की जानी चाहिए कि वह अपनी फिजूलखर्ची तो अंकुश लगाए। फिजूलखर्ची आलीशान सरकारी कार्यालयों के भवन और निर्वाचित प्रतिनिधियों के ऐश-ओ-आराम पर ही नहीं होती बल्कि गरीबों की मदद के नाम पर मुफ़्त सुविधाओं की बंदर-बांट पर भी होती है। प्रतिस्पर्धात्मक चुनावी लोकतंत्र में सरकारें बेहतर शासन प्रशासन देकर आम लोगों के जीवन को ऊंचा उठाने में असफल रहने के बाद मुफ़्त की चीजें बांट कर लोगों के वोट पाने की जुगत में लगी रहती हैं। यह सारी दुनिया जानती है कि खुले बाज़ार की इफ़रात वाली अर्थव्यवस्था में बाज़ार तो खूब दमकता है मगर नई बन रही संपत्ति केवल 21 प्रतिशत आबादी के हाथों में सिमटी रहती है। सरकारें आम लोगों को अर्थव्यवस्था में मजबूत बनाने के कठिन रास्ते पर चलने के बजाय बाजार की ताकतों के इशारों पर चलने लगती हैं। जबकि अधिकाश संपत्ति ऊपर की 21 प्रतिशत आबादी में बंट जाती है तब सरकार सबसे नीचे की आबादी को मुफ़्त राशन, मुफ़्त पानी, मुफ़्त पेंशन देकर अपने वोट बचाना चाहती हैं मगर सार्वजनिक शिक्षा तथा चिकित्सा और स्वास्थ्य से अपने हाथ खींचते हुए उन्हें निजी क्षेत्र के हवाली करती जाती है। इससे देश की 80 प्रतिशत आबादी गरीबी में रहने को अभिशप्त हो जाती है। जब सरकारें राजकोष से रेवड़ियां बांटने में रस लेने लगती है तब राज्य की वित्तीय व्यवस्था बिगड़ती चली जाती है। मगर क्योंकि सरकार नोट छाप सकती है और उधार लेकर तथा करों से अपनी आय बढ़ाने के इंतजाम करके काम चला सकती हैं इसलिए सरकारों की वित्तीय व्यवस्था ढहती नहीं। मगर वित्तीय व्यवस्था तनाव में जरूर आ जाती है जिसका खामियाजा विभिन्न करों की बढ़ोतरी तथा सार्वजनिक सेवाओं में गिरावट के रूप में सामने आता है। इस बार की सीएजी रिपोर्ट राजस्थान की जिस वित्तीय तनाव को उजागर करती है उससे प्रत्येक नागरिक का चिंतित होना लाजिमी है।

इसे समझने के लिए किसी वित्तीय ज्ञान की डिग्री की जरूरत नहीं होती कि घाटे से गाड़ी नहीं चलती। जब राजस्व प्राप्ति की तुलना में राजस्व व्यय की अधिकता होती है तो उसके परिणामस्वरूप राजस्व खाते में घाटा होगा ही। राज्य का राजस्व घाटा वर्ष 2018-19 में 28,900 करोड़ से बढ़कर चालू वर्ष में 31,491 करोड़ रुपये का हो गया। इसे राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के प्रतिशत के रूप में देखा जाए तो वह 2018-19 में यह घाटा 2.23 प्रतिशत था जो बढ़ कर 3.17 प्रतिशत हो गया।

रिपोर्ट बताती है कि राज्य की सरकार अपने खर्चों पर अंकुश नहीं रख सकी है। राज्य के कुल खर्चे 2018-19 में 1,87,524 करोड़ रुपये थे, वे 2022-23 में 31.42 प्रतिशत बढ़कर 2,46,452 करोड़ हो गये। दूसरी तरफ सरकार की राजस्व प्राप्तियां 2021-22 में 15.10 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 13.79 प्रतिशत हो गईं। प्रतिबद्ध व्यय के अलावा, 2018-19 से 2022-23 के दौरान राजस्व व्यय के 20.38 प्रतिशत से बढ़कर 28.49 प्रतिशत हो गया, जो एक बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है। इंफ्लेक्सिबलव्यय 2021-22 में 63,251 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 64,525 करोड़ रुपये हो गया, जो 2.01 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। एक साथ लिया जाए तो 2022-23 में प्रतिबद्ध और इंफ्लेक्सिबल व्यय 1,80,282 करोड़ था जो राजस्व व्यय का 79.60 प्रतिशत था। प्रतिबद्ध और इंफ्लेक्सिबल व्यय में वृद्धि की प्रवृत्ति सरकार को अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों और पूंजी निर्माण के लिए कम लचीलापन देती हैऔर उसका सबसे अधिक असर गरीब पर होता है। गैर-प्रतिबद्ध व्यय के अंतर्गत सब्सिडी में भी वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है, जो 2018-2019 में 21,540 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 26,166 करोड़ रुपये हो गई। इस अवधि के दौरान कुल सब्सिडी में बिजली क्षेत्र की सब्सिडी का हिस्सा 96.20 प्रतिशत से लेकर 98.44 प्रतिशत तक रहाजो बिजली सुधार के कार्यक्रमों के टिकाऊ नहीं होने को ही दर्शाता है। रिपोर्ट यह भी याद दिलाती है कि राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) कानून के अनुसार, राज्य सरकार को वित्तीय वर्ष 2011-12 से शून्य राजस्व घाटा प्राप्त करना था और उसके बाद इसे बनाए रखना था या राजस्व अधिशेष प्राप्त करना था। मगर ऐसा नहीं हो पाया है। सीएजी का कहना है कि लगातार दसवें वर्ष, राज्य सरकार शून्य राजस्व घाटा प्राप्त करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ रही। राजकोषीय रुझानों के अनुसार, राज्य की वित्तीय स्थिति काफी तनावपूर्ण है क्योंकि राजस्थान का सार्वजनिक ऋण-जीएसडीपी अनुपात 2018-19 में 25.59 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 26.63 प्रतिशत हो गया है। यह दर्शाता है कि निकट भविष्य में ऋण स्थिरीकरण में मुश्किल हो सकता है। सीएजी की टिप्पणी है कि सरकारी खातों के विश्लेषण और उसके रिणाम के अनुसार, राजस्थान राज्य की वित्तीय स्थिति में देनदारियों (ऋण, गारंटी, सब्सिडी, आदि) की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो ऋण स्थिरीकरण और ऋण स्थिरता के लक्ष्य के लिए जोखिम पैदा करती है।

कोई निजी संस्थान ऐसा करे तो सरकार उसे पकड़ेगी, मगर सरकार ही जब ऐसा करे तब क्या किया जा सकता है ! राज्य सरकार ने 2022-23 के दौरान 3,000 करोड़ की जीपीएफ जमाराशि, जो कर आय नहीं है, में से 1,000 करोड़ रुपये की राशि जिसे 'कार्मिक कल्याण कोष' में स्थानांतरित करना था उसे अपनी राजस्व प्राप्तियों में स्थानांतरित कर दिए। वर्ष 2021-22 के दौरान भी, 1000 करोड़ की जीपीएफ जमाराशि को राजस्व प्राप्तियों में स्थानांतरित कर दिया गया था। सरकार ने ऐसा अपनी राजस्व प्राप्तियों को बढ़ा कर दिखाने और राजकोषीय घाटे को कम दर्शाने के लिए किया था। इससे सरकार की विश्वसनीयता की कमी होगी। बजट विश्वसनीयता के समग्र मूल्यांकन से पता चलता है कि यद्यपि वास्तविक व्यय और मूल बजट के बीच तथा वास्तविक व्यय और अंतिम बजट के बीच विचलन 10 प्रतिशत से कम था, फिर भी विभिन्न बजट अनुदानों में 25 प्रतिशत तक और उससे भी अधिक विचलन देखने को मिलता है। इसके अलावा, यह भी देखा गया कि कई मामलों में पूरक अनुदान ऐसे थे, जिनमें खर्चा मूल अनुदान के बराबर भी नहीं हुआ। सीएजी ने ऐसे विचलनों से निपटने के लिए एक विश्वसनीय बजट प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर दिया है जिस पर अमल किया जाना जरूरी है। इसके अलावा सरकार में बढ़ती हुई एक नई प्रवृत्ति की ओर भी सीएजी ने ध्यान दिलाया है कि वह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्थानीय निकायों के माध्यम से उधार लेती है, जो राज्य की समेकित निधि में नहीं आता, लेकिन बजट के माध्यम से चुकाया जाता है। वर्ष 2022-23 में, राज्य सरकार ने ऑफ बजट उधार के ब्याज और पुनर्भुगतान के लिए 1,279.39 करोड़ की सहायता अनुदान दिया। यह सरकार द्वारा उधार पर चुकाए गए पुनर्भुगतान और ब्याज के अतिरिक्त था। इन रिपोर्टों के बावजूद सरकार में सब चलता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

जाति प्रथा और धार्मिक वैमनस्य के सख्त खिलाफ थे स्वामी विवेकानंद

डॉ. रमेश बैरवा

"उठो, जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त ना हो जाए" के उद्घोष के जरिए युवाओं को विशेष रूप से उद्वेलित करने वाले, तथा सामाजिक समानता, सांप्रदायिक सद्भाव एवं समाजवाद के प्रबल पक्षधर, अपने समय के विद्रोही संन्यासी स्वामी विवेकानंद को सादर नमन। यह व्याख्यान मूलत: 'सिलेक्टेड वर्क ऑफ स्वामी विवेकानंद' में संकलित विवेकानंद के भाषण एवं विचारों पर आधारित है, इनके सामाजिक चिंतन पर केंद्रित है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 में कोलकाता में हुआ। विवेकानंद के बचपन का नाम नरेंद्रनाथ था। विवेकानंद नाम तो उन्होंने सन्यास ग्रहण करने के पश्चात अपनाया, जब वे 1893 में अमेरिका के शिकागो शहर में विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रस्थान कर रहे थे। विवेकानंद पर अपनी माता और उनके गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस का गहरा असर था। 1897 में विवेकानंद ने कोलकाता के पास बेलूर में प्रसिद्ध रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। 4 जुलाई 1902 को केवल 39 वर्ष की अल्पायु में ही विवेकानंद का देहांत हो गया।

विवेकानंद के जीवन दर्शन के मुख्यत: तीन स्त्रोत थे-प्रथम, वेदों तथा वेदांत की परंपरा; द्वितीय, गुरु रामकृष्ण परमहंस के साथ उनका संपर्क एवं संवाद एवं तृतीय, उनके अपने जीवन का अनुभव। इन तीनों ही स्त्रोतों के माध्यम से विवेकानंद के दार्शनिक और आध्यात्मिक विचारों का निर्माण हुआ जो अंततोगत्वा उनके विचारों के आधार स्तंभ बने।

विवेकानन्द जाति-व्यवस्था का अंत चाहते थे। विवेकानन्द अपने समय से आगे थे। जिस समय भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के नेता जाति प्रथा की स्पष्ट रूप से आलोचना करने में हिचकिचा रहे थे, विवेकानन्द ने शोषणकारी जाति प्रथा के खिलाफ दृढ़ता से आवाज उठाई। उन्होंने इसकी वंशानुगतता को बकवास कहा और निचली जातियों में शिक्षा के प्रसार के लिए विशेष प्रयास करने के लिए कहा।

विवेकानन्द उच्च जाति के युवाओं को संबोधित करते हुए उनके जातीय श्रेष्ठता और छुआछूत संबंधी विचारों की तीव्र भर्त्सना करते हैं:-"और तुम लोग क्या हो?...पूरी ज़िंदगी केवल बेकार की बातें करने वाले, व्यर्थ बकवास करने वाले...अपनी खोपड़ी में सैंकड़ों वर्षों के अंधविश्वास का कूड़ा-करकट भरे बैठे, सैंकड़ों वर्षों से केवल खान-पान की छुआछूत के विवाद में अपनी सारी शक्ति नष्ट करने वाले, जिनकी सारी इन्सानियत को युगों के सामाजिक अत्याचार ने कुचल दिया है।" स्वामी विवेकानंद ने ब्राह्मणों के जन्म आधारित श्रेष्ठता के दम्भ की कड़ी आलोचना की और उसे महज 'मिथ्या' कह कर खारिज कर दिया।

4 जुलाई 1897 को अल्मोड़ा से भगिनी निवेदिता को लिखा विवेकानन्द का पत्र यह साबित करता है कि वे जो कहते थे वही करते भी थे। उस पत्र में वे लिखते हैं कि बुद्ध के जमाने के बाद पहली बार उनके आश्रम में ब्राह्मण युवा बिना किसी जाति-भेद के रोगियों की सेवा कर रहे हैं। विवेकानन्द ने भारत की भयंकर गरीबी और पतन के लिए अंग्रेजी उपनिवेशवाद से ज्यादा जाति-व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया।

11 सितंबर 1893 को शिकागो (अमेरिका) में हुए धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद ने अपने ऐतिहासिक वक्तव्य के माध्यम से भारत की एक वैश्विक सोच को सामने रखते हुए हिंदू धर्म का उदारवादी चेहरा दुनिया के सामने रखा था। पूरी दुनिया ने उनके भाषण को सराहा था। विवेकानंद का हिंदू धर्म, पाखंड और कर्मकांड विरोधी होने के साथ दलित, वंचित और श्रमिक वर्ग को न्याय दिलाने वाला सर्वसमावेशी था। इसमें भारत की आध्यात्मिकता और भौतिक विकास की मिली जुली ललक थी। इसमें सांप्रदायिक और जातीय नफ़रत के लिए कोई जगह नहीं थी। यद्यपि वे समकालीन राजनीति से दूर रहते थे, लेकिन उनका धर्म सामाजिक सत्ता से लगातार टकराता था। यही कारण है कि राजनीति के प्रति विरक्ति का भाव रखने वाले विवेकानंद कई राजनीति करने वालों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनते रहे।

धर्म और देशभक्ति की आड़ में समाज और सत्ता पर वर्चस्व कायम रखने का इरादा रखने वाली विवेकहीन ताक़तें बेशर्मी के साथ स्वामी विवेकानंद को अपनी विचार-परंपरा का पुरखा बताकर इन्हें हथियाने की फूहड़ कोशिशें करती रही हैं और अब भी कर रही हैं, ताकि विवेकानंद की प्रखर सामाजिक चेतना का विभाजनकारी संकीर्ण राष्ट्रवाद के पक्ष में इस्तेमाल किया जा सके। चूँकि इस ख़तरे का अंदाज़ा विवेकानंद को भी था, लिहाज़ा उन्होंने अपने प्रसिद्ध व्याख्यान कास्ट, कल्चर एंड सोशलिज़्म' में कहा था- "कुछ लोग देशभक्ति की बातें तो बहुत करते हैं, लेकिन मुख्य बात है-हृदय की भावना। यह देखकर आपके मन में क्या भाव आता है कि न जाने कितने समय से देवों और ऋषियों के वंशज पशुओं जैसा जीवन बिता रहे हैं? देश पर छाया अज्ञान का अंधकार क्या आपको सचमुच बेचैन करता है?...यह बेचैनी ही आपकी देशभक्ति का पहला प्रमाण है।"

चूँकि विवेकानंद राजनेता नहीं बल्कि संन्यासी थे-समाज विज्ञानी संन्यासी, लिहाज़ा वह हिंदू समुदाय की ख़ूबियों और ख़ामियों से भलीभाँति परिचित थे। हिंदू समाज में आज जो कट्टरता व्याप्त है, उसके ख़तरे को विवेकानंद की दी हुई चेतावनी से भी समझा जा सकता है। उन्होंने अपने समय के हिंदू कट्टरपंथियों और पाखंडी धर्माचार्यों को ललकारते हुए कास्ट, कल्चर एंड सोशलिज़्म' में ही कहा है-

"शूद्रों ने अपने हक माँगने के लिए जब भी मुँह खोला, उनकी जीभें काट दी गईं। उनको जानवरों की तरह चाबुक से पीटा गया। लेकिन अब आप उन्हें उनके अधिकार लौटा दो, वरना जब वे जागेंगे और आप (उच्च वर्ग) के द्वारा किए गए शोषण को समझेंगे, तो अपनी फूँक से आप सब को उड़ा देंगे। यही (शूद्र) वे लोग हैं, जिन्होंने आपको सभ्यता सिखाई है और ये ही आपको नीचे भी गिरा देंगे। सोचिए कि किस तरह शक्तिशाली रोमन सभ्यता गॉलों के हाथों मिट्टी में मिला दी गई।"

विवेकानंद जीवन में धर्म और अध्यात्म को बड़ा महत्व देते हैं। लेकिन धार्मिक संकीर्णता और रूढ़िवाद के सख्त खिलाफ थे। वे मत-मतांतर, विधि या अनुष्ठान, ग्रंथ, मंदिर को गौण मानते थे। धर्म की आड़ में अंधश्रद्धा के खिलाफ थे। तर्क और विवेक को सर्वोच्च स्थान देते थे। अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस की तरह विवेकानंद ने धार्मिक संकीर्णता का विरोध करते हुए सर्वधर्म सम्भाव अर्थात सांप्रदायिक सद्भाव पर जोर दिया। 10 जून 1898 में नैनिताल के अपने एक मुस्लिम मित्र मोहम्मद सरफराज हुसैन को लिखे पत्र में स्वामी जी ने लिखा कि हमारी अपनी मातृभूमि के लिए दो महान प्रणालियों- हिंदू धर्म और इस्लाम का संगम ही एकमात्र उम्मीद है।

विवेकानंद ने कहा है कि भारत में मुस्लिम शासकों के आगमन के बाद देश की आबादी के एक बड़े हिस्से ने इस्लाम क़ुबूल कर लिया था, लेकिन साथ ही वह कहते हैं कि यह सब तलवार के ज़ोर से नहीं हुआ था। धार्मिक नफ़रत के सख्त ख़िलाफ़ थे स्वामी विवेकानंद। हिंदुत्व एवं राष्ट्रवाद की आड़ में मुसलमानों के खिलाफ नफ़रतभरी विचारधारा को सही ठहराने के लिए कुछ संगठन स्वामी विवेकानंद के नाम का इस्तेमाल लंबे समय से करते आ रहे हैं, उनके समय में भी करते थे। लेकिन चूँकि ऐसे लोगों की क्षुद्र मानसिकता और मुसलमानों के प्रति उनकी द्वेष-भावना से विवेकानंद भलीभाँति परिचित थे, लिहाज़ा उन्होंने कहा था- "इस अराजकता और कलह के बीच भी मेरे मस्तिष्क में संपूर्ण भारत की जो तस्वीर उभरती है, वह शानदार और अद्वितीय है, उसमें वैदिक दिमाग और इस्लामिक शरीर होगा।" कहा जा सकता है कि स्वामी विवेकानंद अगर आज ज़िंदा होते तो उनकी नसीहतें सुनकर हिंदू कट्टरता के प्रचारक विवेकानंद को भी सूडो सेकुलर या हिंदू विरोधी क़रार दे रहे होते ! विवेकानंद को हजम करना भी इनके लिए बहुत मुश्किल हो जाता। इसलिए हम कहते हैं, अपने-अपनेविवेकानंद ! स्वामी विवेकानंद अमर रहे।

(यह लेख विवेकानंद जयंती के अवसर पर दिए व्याख्यान के प्रमुख अंशों पर आधारित है)

–डॉ. रमेश बैरवा,
राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं प्रदेश संयोजक, राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ रुक्टा डेमोक्रेटिक।

दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित पाबू पाठशाला को आर्य समाज स्कूल में मर्ज किया

स्कूल में मर्ज के फैसले ने 61 दिव्यांग छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में डाला

- **अभिभावक अपने बच्चों को लेकर प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय पहुंचे**
- **अधिकारियों के अनुपस्थित रहने के कारण अभिभावक निराश लौटे**

बीकानेर, (निसं)। विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित पाबू पाठशाला को आर्य समाज स्कूल में मर्ज करने के फैसले ने 61 दिव्यांग छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है।

इस फैसले से चिंतित अभिभावक अपने बच्चों को लेकर प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय पहुंचे, जहां उन्होंने स्कूल को यथावत रखने की मांग की, लेकिन अधिकारियों के अनुपस्थित रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए।

अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से युक्त इस स्कूल का विलय उनके बच्चों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। इनमें से कई बच्चे ऐसी विशेष आवश्यकताओं वाले हैं, जिन्हें सामान्य स्कूलों में पढ़ाई करने में कठिनाई होगी। अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि इस फैसले को वापस लिया जाए और पाबू पाठशाला को उसकी वर्तमान स्थिति में बनाए रखा जाए। उनका कहना है कि यदि यह फैसला जल्द नहीं बदला गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। शिक्षा विभाग ने आदेश से पहले स्कूल की जमीनी हकीकत भी नहीं देखी जिस जगह स्कूल का एकीकरण किया है वहां रेंप भी नहीं है।

बघेरे ने किसान पर हमला किया

झिलाय, (निसं)। सोमवार की रात गांव खेड़ीमानपुर में एक युवक पर बघेरे ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। परिवारजनों ने उसका गांव में ही उपचार करवाया। लोगों ने बघेरा की सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दी। इसके बाद वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और जंगली जानवर के पग मार्क देखे। ग्रामीणों ने बताया कि कालू शर्मा रात खेत पर रखवाली कर रहा था। घर वापसी के दौरान बघेरा ने उस पर हमला कर दिया। सूचना पर सरपंच सांवरमल मीणा, एसीएफ अनुराग महर्षि, रैंजर धारिलाल व टोंक लाईन रैंजर कालूराम मौके पर पहुंचे।

देशभर में दौड़ रहे जोधपुर रेलवे वर्कशॉप में बने एन.एम.जी.एच.एस. डिब्बे

- **एनएमजीएचएस डिब्बे दरअसल ट्रेनों के वो कोच होते हैं, जिनका 25 वर्षों तक उपयोग लेने के बाद रेलवे यात्री सेवा की दृष्टि से रिटायर कर चुका होता है**

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर रेलवे वर्कशॉप में खासतौर से निर्मित एनएमजीएचएस ट्रेन के डिब्बे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बिना खिड़की और और बंद दरवाजों वाली एनएमजीएचएस ट्रेन में माल लदान के प्रयोग में लाए जाने वाले एनएमजीएचएस डिब्बे दरअसल ट्रेनों के वो कोच होते हैं जिनका 25 वर्षों तक उपयोग लेने के बाद रेलवे यात्री सेवा की दृष्टि से रिटायर कर चुका होता है, लेकिन रिटायर हो चुके कोच को भी मॉडिफाई कर रेलवे उसकी उपयोग अवधि 10 वर्ष और बढ़ा देता है जिसे रेल की भाषा में एनएमजीएचएस (न्यूली मॉडिफाईड गुड्स साइड) कहा जाता है। भारतीय रेलवे के प्रमुख जोधपुर रेलवे वर्कशाप में रेलवे के रिटायर हो चुके डिब्बों को बहुद्देश्यीय एनएमजीएचएस कोचों में तब्दील करने का काम पिछले चार वर्षों से चल रहा है तथा वर्कशॉप द्वारा अब तक इस तरह के 101 डिब्बे तैयार करके राष्ट्र को समर्पित किया जा चुका है तथा रेलवे बोर्ड से प्राप्त लक्ष्यों के अनुरूप यह कार्य निरंतर जारी है।

जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह का इस संबंध में कहना है कि रेलवे में माल लदान की दृष्टि से एनएमजीएचएस डिब्बों की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा निजी कंपनियों की ओर से सुरक्षित माल लदान के लिए इनकी डिमांड भी लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि रेल पटरियों पर 25 वर्षों तक दौड़ने के बाद आईसीएफ कोच को पैसेंजर ट्रेन से रिटायर कर दिया जाता है और ऐसे डिब्बों को एनएमजीएचएस रैक के नाम से ऑटो कैरियर के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, तो उसकी सभी खिड़कियां और दरवाजे सील कर दिए जाते हैं।

पंकज कुमार सिंह का कहना है इस वैगन को इस तरह से तैयार किया जाता है ताकि इसमें कार, ट्रैक्टर, मिनी ट्रक और दुपहिया वाहनों को आसानी से लोड-अनलोड किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस तरह के डिब्बे में रेफ्रिजरेटर की तरह रैक्स सिस्टम भी विकसित किया गया है जिससे इसमें सब्जियों का लदान भी किया जाता है। डिब्बे को मॉडिफाई करने के दौरान उसके भीतर से सभी सीटों,लाइट और पंखों को हटा कर लंबा हॉलनुमा आकार दे दिया जाता है और रोशनी के लिए सिर्फ डिब्बे की छत पर होल रखे जाते हैं ताकि शॉर्ट सर्किट की आशंका न हो। कोच के पिछले हिस्से में एक बड़ा दरवाजा बनाया जाता है ताकि आसानी से सामान लोड या अनलोड किया जा सके।

मुख्य कारखाना प्रबंधक मनोज जैन ने बताया कि जोधपुर रेलवे वर्कशॉप से पहला एनएमजी कोच 23 नवंबर 2020 को तैयार होकर निकला, जिसकी सफलता को देखते हुए उसे 2020-21 में 35, 2021-22 में 10 और 2023-24 में 29 तथा चालू वित्त वर्ष में 120 रिटायर आईसीएफ डिब्बों को एनएमजीएचएस डिब्बों में तब्दील करने का लक्ष्य दिया गया है जिसमें से 14 जनवरी तक 27 एनएमजीएचएस डिब्बे तैयार कर मंडलों को उपयोग के लिए दे दिए गए हैं।

सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने जानकारी दी कि एक रिटायर हो चुके आईसीएफ डिब्बे को वर्कशॉप में एनएमजीएचएस डिब्बे में तब्दील करने में करीब साढ़े ग्यारह लाख रुपए की लागत आती है और इसे सामान्य तौर पर 16 दिनों में तैयार कर दिया जाता है। बड़ी बात यह है कि इसके लिए गार्ड एसएलआर, जनरल और स्लीपर डिब्बे ही काम में लिए जाते हैं।

राशिफल बुधवार 22 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, स्वाती नक्षत्र रात्रि 2:34 तक, शूल योग रात्रि 4:37 तक, कौलव करण दिन 3:19 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज महापात योग रात्रि 4:50 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:54 तक, शुभ 11:19 से 12:38 तक, चर 3:17 से 4:37 तक, लाभ 4:37 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:56

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

कर्क
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

‘किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने का मुख्यमंत्री का सपना पूरा होगा’

ऊर्जा पर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, राइज़िंग राजस्थान में 28 लाख करोड़ के प्रस्ताव ऊर्जा क्षेत्र के हैं

जयपुर, 21 जनवरी। केन्द्रीय रिन्युएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2030 तक देश में अक्षय ऊर्जा का उत्पादन 500 गीगावाट तक बढ़ाने, वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा से ऊर्जा आवश्यकता का 50 प्रतिशत पूरा करने तथा वर्ष 2070 तक देश को नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन तक ले जाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। जोशी मंगलवार को जयपुर के एक होटल में आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा पर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि राज्य में 5 लाख घरों में रूफटॉप संयंत्र लगाने की प्रक्रिया चल रही है। सभी राजकीय भवनों को सोलर एनर्जी से लैस करने का काम भी प्रगति पर है।**
- **इस समीक्षा बैठक में केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, श्रीपद नाइक तथा हरियाणा, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के मंत्रियों व अधिकारियों ने भाग लिया।**

केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवीकरणीय ऊर्जा पर आयोजित क्षेत्रीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपाद येसो नाइक, राजस्थान के ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024, जारी की है जिसमें वर्ष 2030 तक 125 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें भी 28 लाख करोड़ से अधिक तो अकेले ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित हैं। इन एमओयू से स्थापित होने वाली परियोजनाओं से प्रदेश में सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि कुसुम योजना में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। इस योजना में राज्य में 5 हजार मेगावाट से अधिक की सौर परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य में 5 लाख घरों में रूफटॉप संयंत्र लगाए जाने की प्रक्रिया चल रही है और अब तक लगभग 25 हजार घरों पर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। सभी राजकीय भवनों को सोलर एनर्जी से लैस करने का कार्य शुरू कर अब तक 489 मेगावाट के एलओए हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल पर जारी किए जा चुके हैं।

केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने कहा कि कुसुम योजना के घटक ए एवं सी के तहत प्रदेश में स्थापित विकेन्द्रित सोलर प्लांटों से जुड़े ग्रिड सब स्टेशनों में इन प्लांटों की क्षमता के अनुरूप कृषि कनेक्शन जारी करने का हमने निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली देने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संकल्प को पूरा करने की दिशा में यह बड़ा कदम है।

समीक्षा बैठक के उद्घाटन सत्र में हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज, हिमाचल प्रदेश के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, आवास प्रबंध मंत्री राजेश धर्माणी, जम्मू-कश्मीर के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग मंत्री सतीश कुमार शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर केन्द्रीय सचिव एमएनआरई निधि खरे, केन्द्रीय अतिरिक्त सचिव एमएनआरई सुदीप जैन सहित राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

सेना 47 ब्रिज लेइंग टैंक खरीदेगी

नयी दिल्ली, 21 जनवरी। रक्षा मंत्रालय ने सेना के लिए 47 टैंक-72 (ब्रिज लेइंग टैंक बीएलटी) की खरीद के लिए आर्म्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की इकाई हैवी व्हीकल फैक्ट्री के साथ 1560 करोड़ रूपये के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

- **रक्षा मंत्रालय ने इस खरीद के लिये आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड से 1560 करोड़ के समझौते पर हस्ताक्षर किये।**

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में, रक्षा मंत्रालय और हैवी व्हीकल फैक्ट्री और आर्म्ड व्हीकल निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

ब्रिज लेइंग टैंक एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसका उपयोग सेना द्वारा आक्रामक और रक्षात्मक अभियानों के दौरान पुलों का निर्माण करने के लिए किया जाता है। यह टैंक और बख्तरबंद वाहनों के बेड़े को अभिन्न पुल बनाने की क्षमता प्रदान करता है। इससे युद्ध के मैदान में गतिशीलता और आक्रामक क्षमता बढ़ ती है। इस समझौते के अन्तर्गत, खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) होने से रक्षा क्षेत्र में मेक-इन-इंडिया पहल को बढ़ ावा मिलेगा। यह परियोजना समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ ावा देने और देश में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

‘यूजीसी दिशा-निर्देश 2025 संविधान की भावना के खिलाफ है’

केरल विधानसभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया कि इसे वापस लें और बदलाव करें

- **केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि दिशा-निर्देश में विश्वविद्यालयों में शिक्षकों व शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति और पदोन्नति को अधिक लचीला बनाया गया है।**

तिरुवनंतपुरम, 21 जनवरी। केरल विधानसभा ने मंगलवार को एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। इस प्रस्ताव में केरल सरकार ने केन्द्र सरकार से यूजीसी के दिशा-निर्देश 2025 के मसौदे को वापस लेने और उसमें बदलाव करने की मांग की है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यह प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया कि विधानसभा का साफ मानना है कि यूजीसी का मसौदा संविधान की भावना को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

गौरतलब है कि जनवरी के पहले हफ्ते में केन्द्र सरकार ने यूजीसी दिशा-निर्देश 2025 का मसौदा जारी किया है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस मसौदे का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति और पदोन्नित को अधिक लचीला बनाना है। हालांकि केरल सरकार द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है। पिछले हफ्ते ही केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने इस मसौदे की आलोचना करते हुए कहा था कि वे इसके विरोध के लिए देशभर में गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों को एकजुट करेंगे।

मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा कि विभिन्न राज्यों में विश्वविद्यालय, राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों के अनुसार काम करते हैं और राज्यों के पास ही विश्वविद्यालयों की स्थापना और पर्यवेक्षण करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के पास केवल उच्च शिक्षा और शोध संस्थानों के लिए समन्वय और मानक तय करने का अधिकार है। विजयन ने कहा कि केन्द्र सरकार ने इन तथ्यों की अनदेखी करके और सभी हितधारकों से चर्चा किए बिना, दिशा-निर्देश मसौदा जारी किया है। नए मसौदे में कुलपतियों की नियुक्ति समेत कई मुद्दों पर राज्य सरकारों की राय की बाध्यता को खत्म कर दिया गया है। सीएम ने कहा कि यह संघीय प्रणाली और लोकतंत्र के खिलाफ है। केरल के मुख्यमंत्री ने दावा किया है कि नए दिशा-निर्देशों के तहत, अकादमिक विशेषज्ञों पर विचार किए बिना निजी क्षेत्र से भी लोगों को कुलपति नियुक्त किया जा सकता है। सीएम ने आरोप लगाया कि यह उच्च शिक्षा क्षेत्र का व्यवसायीकरण करने की चाल है। विजयन ने आरोप लगाया कि 2025 के यूजीसी मानदंडों के मसौदे को उच्च शिक्षा क्षेत्र में लोकतांत्रिक मूल्यों को नष्ट करने और इसे धार्मिक और सांप्रदायिक ताकतों के नियंत्रण में देने की कोशिश की जा रही है। विजयन ने प्रस्ताव में कहा, यह सदन सर्वसम्मति से केन्द्र सरकार के 2025 के यूजीसी मानदंडों के मसौदे को तुरंत वापस लेने, राज्य सरकारों और अकादमिक विशेषज्ञों की राय और चिंताओं पर विचार करने और सभी हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा करने और उनकी राय को गंभीरता से लेने के बाद ही नए मानदंड जारी करने का अनुरोध करता है।

पूरे देश में 26...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डल्लेवाल की भूख हड़ताल का आज 57वां दिन है। खनौरी बॉर्डर पर डल्लेवाल की देखरेख कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि शनिवार रात से मेडिकल सहायता लेने के बाद उनकी तबीयत में कुछ सुधार है। उनके ब्लड सैंपल की रिपोर्ट जल्द ही आ जाएगी।

एआईसीसी में काम-काज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई थी तथा उसे केवल 7 सीटें ही मिली थीं। उसके बाद, पार्टी असम में हारी तथा उसके बाद उसे मध्य प्रदेश में जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा।

भँवर जितेन्द्र सिंह, जो गांधी परिवार के सदस्य के रूप में देखे जाते हैं, मध्य प्रदेश की राजनीति से पूरी तरह अपरिचित हैं। रणदीप सिंह सुरजेवाला, जो कर्नाटक के प्रभारी हैं, पीसीसी अध्यक्ष के रूप में अपने गृह राज्य हरियाणा जाना चाहते हैं, लेकिन इस मामले में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है, क्योंकि सीनियर हूडा अपना सीएलपी पद छोड़ना नहीं चाहते।

हरियाणा की स्थिति अधर-झूल की बनी हुई है। बड़ा प्रश्न है। राहुल गांधी के अलावा और किसी को भी नहीं मालूम है कि उनके संबंध में क्या चल रहा है और राहुल गांधी का गला इस समय काफी खराब है तथा उन्होंने अपने सारे कार्यक्रम रद्द कर दिये हैं। उन्हें कर्नाटक में एक जनसभा को संबोधित करना था, लेकिन उनके स्थान पर पर अब वहाँ प्रियंका गांधी जायेंगी। वेणुगोपाल आज भी पार्टी के वास्तविक "किंग पिन" बने हुये हैं। पार्टी के बहुत से पदाधिकारी उनका दरवाजा खटखटाने के बाद ही संबंधित पदों पर पहुँचे हैं। इनमें तेलंगाना प्रभारी दीपा दास मुंशी से लेकर, अलगा लाम्बा, नीता डी सूजा, देवेन्द्र यादव, काजी निज़ामुद्दीन, नवीन शर्मा, नीरज कुन्दन तक बहुत से नेता शामिल हैं। वेणुगोपाल इस समय पराग शर्मा को हरियाणा में महिला कांग्रेस प्रमुख बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राजस्थान प्रभारी सुखविन्दर सिंह रन्धावा ने कहा है कि उन्हें इस पद से मुक्त किया जाये, लेकिन राजस्थान कांग्रेस आज भी उनके प्रभार में लँगड़ाते हुये चल रही है। जैसा कि इससे पूर्व बताया जा चुका है, वेणुगोपाल अशोक गहलोत को एआईसीसी में समायोजित करने की कोशिश में हैं। मुकुल वासनिक जैसे बहुत से नेता पार्टी के प्रमुख पदों पर रह चुके हैं। स्मृति जहाँ तक अतीत में झाँक पा रही है, पार्टी में पुरस्कार और दंड जैसी कोई व्यवस्था नहीं रही है।

समझा जाता है कि अविनाश पान्डे उत्तर प्रदेश का प्रभार छोड़ना चाहते हैं, जहां उन्हें प्रियंका गांधी ने नियुक्त किया था। वे शायद कोई और भी ज्यादा लाभप्रद राज्य चाहते हैं। बिना किसी ठोस कार्य योजना तथा इच्छाशक्ति वाले नेता के पार्टी का कायाकल्प एवं पुनरूद्धार कैसे होगा।पहले राहुल गांधी कहा करते थे कि उनकी आवाज नहीं सुनी जाती है क्योंकि पार्टी के कर्ता-धर्ता अहमद पटेल हैं, वे ही पार्टी को चलाते हैं, लेकिन अब तो पार्टी को राहुल गांधी ही चला रहे हैं, तो वे कुछ हट कर क्यों नहीं कर रहे, सार्थक एवं सख्त निर्णय क्यों नहीं ले रहे। प्रियंका गांधी बिना विभाग की महासचिव हैं लेकिन उन्होंने कांग्रेस के हर मामले में अपना पैर फंसा रखा है। सच तो यह है कि वे गांधी परिवार की सदस्य होने के कारण ही ताकतवर हुई हैं। पार्टी में क्या चल रहा है-इस बात को लेकर हर आदमी का ऐसा सोच इसलिए है, क्योंकि इन बिन्दुओं को लेकर न तो पार्टी के पास कोई योजना है और न कोई गंभीर और ठोस विचार और चिन्तन है कि नरेन्द्र मोदी को टक्कर कैसे दी जाये तथा, एक-एक करके, राज्यों में कांग्रेस का कायाकल्प कैसे किया जाये।

‘ब्रिक्स देश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्ययन और विदेश नीति के उपाध्यक्ष हर्ष्र्ष वी. पंत ने कहा कि रुस द्वारा ब्रिक्स मुद्रा के लिए जोर देना, पश्चिमी प्रभाव को कम करने की उसकी व्यापक भू-राजनीतिक रणनीति के अनुरुप है।

ब्रिक्स देशों द्वारा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने के बारे में उठाए गए कदमों की ट्रंप द्वारा की गई आलोचना यू.एस. की बढ़ती चिंता को दर्शाती है, क्योंकि केन्द्रीय बैंकों में अमेरिकी डॉलर के भंडार का हिस्सा बीते दो दशकों में धीरे-धीरे घटा है। यह रुझान, जो शुरु में यूरो के आने से प्रेरित था, अब तेज़ हो गया है, क्योंकि विकासशील देश, जिनमें भारत भी शामिल है, अधिक से अधिक स्थानीय मुद्राओं में व्यापार कर रहे हैं। आई.एम.एफ. के आंकड़े बताते हैं कि 1999 में अमेरिकी डॉलर का वैश्विक भंडारों में हिस्सा 71 प्रतिशत था, जो 2024 के मध्य तक घटकर 58 प्रतिशत रह गया है, जबकि यूरो का हिस्सा बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया है।

‘ताहिर हुसैन को चुनाव प्रचार के लिये जमानत क्यों नहीं दी जाये’

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ रहे पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन के बारे में दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा

नयी दिल्ली, 21 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने एआईएमआईएम के टिकट पर दिल्ली विधानसभा चुनाव मैदान में उतरे पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को राष्ट्रीय राजधानी में 2020 में हुए दंगों से जुड़े एक मामले में अंतरिम या नियमित जमानत देने के सवाल पर दिल्ली पुलिस से अपना पक्ष रखने का मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने इस तथ्य पर गौर किया कि याचिकाकर्ता को 10 में से नौ मामलों में पहले ही जमानत मिल चुकी है।

पीठ ने यह भी कहा कि (हुसैन को) उन्हें धनशोधन के एक मामले में भी गिरफ्तार किया गया था।

याचिकाकर्ता हुसैन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि वे चार साल 10 महीने से अधिक समय से जेल में बंद हैं। वे फरवरी 2020 तक बेदाग पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने यह भी कहा कि कथित हमलावरों सहित, अन्य सभी आरोपियों को मामले में जमानत मिल चुकी है।

- **याचिकाकर्ता को 10 में से 9 मामलों में पहले जमानत मिल चुकी है। सन् 2020 के दंगों के मामले में वह चार साल 10 माह से जेल में बंद है।**

दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो के कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या से जुड़े एक मामले में हुसैन को कोई राहत नहीं दी गई है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी को मामले में अंतरिम जमानत के लिए उनकी याचिका खारिज कर दी थी। उन्होंने चुनाव प्रचार के लिए जमानत देने की गुहार लगाई थी। शीर्ष अदालत ने दिल्ली पुलिस के अधिवक्ता रजत नायर से पूछा कि अदालत को याचिकाकर्ता को जमानत या अंतरिम जमानत क्यों नहीं देनी चाहिए?

अमित शाह ने गरियाबंद में 16 नक्सली मारने पर बधाई दी

गरियाबंद, 21 जनवरी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के ओडिशा सीमा में अब तक 16 नक्सली मारे जा चुके हैं। इसकी पुष्टि रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के ट्वीट से हुई है। सुरक्षा बलों का बड़े पैमाने पर ऑपरेशन जारी है। माना जा रहा है कि इलाके में और नक्सली भी घिरे हो सकते हैं। गरियाबंद में सुरक्षाबल के जवानों को नक्सलियों के खिलाफ मिली कामयाबी पर देश के गृहमंत्री अमित शाह ने जवानों की पीठ थपथपाई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, देश में नक्सलवाद अपनी आखिरी सांसे गिन रहा है। हमारा अटूट संकल्प है - नक्सल मुक्त भारत, और यह सफलता उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले की ओडिशा सीमा में गरियाबंद डीआरजी, ओडिशा की एसओजी, कोबरा की 207 बटालियन और सीआरपीएफ के जवानों ने अब तक 16 नक्सली ढेर कर दिए हैं।

- **ओडिशा पुलिस मुख्यालय के अनुसार भारी मात्रा में हथियार व गोलाबारुद बरामद हुआ है।**

कांग्रेस सांसद प्रतापगढ़ी पर दंडात्मक कार्यवाही पर रोक

नयी दिल्ली, 21 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने कथित तौर पर सांप्रदायिक विद्वेष को बढ़ ावा देने वाली कविता सोशल मीडिया पर डालने के मामले में कांग्रेस सांसद एवं कवि इमरान प्रतापगढ़ ी पर कोई दंडात्मक कार्रवाई करने पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने प्रतापगढ़ ी को उनकी याचिका पर यह राहत दी और अदालत ने गुजरात सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया। प्रतापगढ़ी ने अपनी याचिका में अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे को रद्द करने से इन्कार करने वाले गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी।

प्रतापगढ़ी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा उनकी प्राथमिकी रद्द करने की याचिका को खारिज करने की आलोचना करते हुए कहा, हम किस निष्कर्ष पर पहुंचें ? न्यायालय को कुछ कहना है। बिना नोटिस जारी किए (उच्च) न्यायालय ने इसे (खारिज करने का) आदेश दे दिया।

कांग्रेस सांसद के खिलाफ यह प्राथमिकी एक अधिवक्ता के क्लर्क की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि प्रतापगढ़ी ने सोशल मीडिया पर ‘ऐ खून के प्यासे बात सुनो...’ कविता वाला एक वीडियो पोस्ट किया था। इस मामले में गुजरात पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप), 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से किए गए कृत्य) और 302 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से शब्द बोलना) के तहत मुकदमा दर्ज किया था। गुजरात उच्च न्यायालय ने 17 जनवरी को प्राथमिकी रद्द करने से इनकार करते हुए कहा कि जांच अभी शुरुआती चरण में है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट द्वारा प्रतापगढ़ी की याचिका रद्द करने के संदर्भ में यह आदेश दिया।**
- **प्रतापगढ़ी के वकील कपिल सिब्बल का कहना था कि गुजरात हाईकोर्ट ने याचिका को बिना नोटिस जारी किये खारिज कर दिया।**

अदालत ने कहा, भारत के किसी भी नागरिक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह ऐसा व्यवहार करे जिससे सांप्रदायिक सद्भाव या सामाजिक सद्भाव बिगड़े नहीं।

सैफ 5 दिन बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की गई थी।

जैसे ही सैफ अपने घर वापस पहुंचे, बड़ी संख्या में लोग बाहर इकट्ठा होने लगे, संभावित रूप से उनके प्रशंसक, मीडिया और शुभचिंतक अपना समर्थन दिखाने के लिए उत्सुक थे। उनके ठीक होने के बाद, सैफ और करीना ने अपने बच्चों, तैमूर और जेह के साथ बांद्रा में फॉर्च्यून हाइट्स स्थित अपने पूर्व निवास में वापस जाने का फैसला किया है। इस स्थानांतरण का उद्देश्य सैफ के स्वस्थ होने के दौरान परिवार को ज्यादा सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है।

गौतम अडानी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज्ञातव्य है कि अडाणी समूह इस साल इस्कॉन और गीता प्रेस के साथ मिलकर महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में लगा हुआ है। इस्कॉन के साथ मिलकर अडाणी समूह प्रतिदिन एक लाख श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण कर रहा है।

कोलकाता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगाए गए हैं। हत्या की सूचना मिलने पर राज्य पुलिस व प्रशासन के इसे आत्महत्या साबित करने की कोशिश की। मृतक के माता-पिता को मैडिकल कॉलेज ने फोन करके जानकारी दी।

फैसले के साजिश की संभावना बताई गई है तथा पुलिस की कड़े शब्दों में निंदा की गई है। फैसले में कहा गया है संबंधित पुलिस स्टेशन के एस.आई. ने तुरंत रिपोर्ट दर्ज नहीं की, यहां तक कि रिकॉर्ड के लिए खाली जगह छोड़ दी थी।

हत्या की प्रारंभिक रिपोर्ट सुबह ही एस.आई. को दे दी गई थी। पर रात 11 बजे तक केस डायरी दर्ज नहीं की गई थी। इसके अलावा पुलिस ने आनन-फानन में ऑटो टैक्सी करवा ली तथा ऐसे मामलों के लिए बने आवश्यक नियमों का पालन नहीं किया और राज्य प्रशासन माता-पिता की इच्छा का विरूद्ध शव को अंतिम संस्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के केस में मृतका के माता पिता भी शामिल है उनके पास 42 सवालों की लिस्ट है जिनके जवाब नहीं मिले है।

अमेरिका को औद्योगिक उत्पादन का केन्द्र बनाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केवल लम्बी -चौड़ी बातें करने से काम नहीं चलेगा।

मैन्युफैक्चरिंग को आकर्षित करने और बनाये रखने के लिये, प्रशासन को इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बहुत अधिक निवेश करना पड़ेगा, जिसमें परिवहन, ऊर्जा, डिजिटल नैटवर्क आदि शामिल हैं। तब जाकर अमेरिका में व्यवसाय करने की लागत कम होगी।

नौकरियाँ वापस लाने के प्रयासों के बावजूद, अमेरिका महत्वपूर्ण निर्माण क्षेत्रों में कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रहा है। इस खाई को पाटने के लिये, ट्रम्प प्रशासन को विशाल शिक्षा तथा श्रमिक विकास योजनाओं की जरुरत होगी।

राष्ट्रपति की एकपक्षीय सोच का इतिहास, तथा नाटो, डब्ल्यूटीओ और यूएन जैसी संस्थाओं के प्रति संदेह का नजरिया फिर उभर सकता है। अगर वे अपने मित्र देशों से ज्यादा वित्तीय योगदान मांगेंगे या अमेरिकन हित की खातिर नये गठबंधन करेंगे, तो उनके मित्र देश भी परायापन महसूस करेंगे।

चीन के प्रति उनका तीखा रुख, जिसमें टैक्स तथा महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर प्रतिबंध शामिल हैं, अमेरिका और चीन के आर्थिक अलगाव को गहरा कर सकता है। इससे दोनों के बीच भू-राजनैतिक तनाव बढ़ सकते हैं तथा अन्य राष्ट्र किसी एक पक्ष के चयन के लिये बाध्य किये जा सकते हैं।

हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) की पहलों को उलटने तथा जलवायु सम्बंधी समझौतों, जैसे "पेरिस अकॉर्ड," से पीछे हटने की ट्रम्प की संभावना के परिणाम स्वरुप, वैश्विक जलवायु सम्बंधी कार्यों में निश्चित रुप से बाधा उपस्थित होगी तथा अन्य देश भी पर्यावरण सम्बंधी प्रतिबद्धताओं को कम महत्व देने का दुस्साहस कर सकेंगे।

कड़े इमिग्रेशन नियंत्रण और वीज़ा प्रतिबंधों से वैश्विक स्तर पर टैक्नॉलजी और हैल्थकेयर क्षेत्रों के लेबर मार्केट में बाधाएं पैदा होंगी, विशेषकर भारत और मैक्सिको जैसे देशों के लिए।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान आर्थिक प्रभाव महत्वपूर्ण होगा। संरक्षणवादी नीतियां कंपनियों को आपूर्ति शृंखलाओं (सप्लाई चेन) पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकती हैं। इससे वे अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो सकती हैं जो यूएस को निर्यात पर निर्भर हैं, जैसे कि चीन, वियतनाम और मैक्सिको।

बाज़ार, ट्रेड वॉर, आर्थिक विभाजन और नीति की अनिश्चितता के कारण अस्थिरता का सामना कर सकते हैं।

विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी शुल्क से प्रभावित देशों को एक-दूसरे के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की संभावना के बारे में सोच सकते हैं, संभवतः यूएस को अलग करते हुए व्यापार समझौतों में तेजी आ सकती हैं, जैसे कि रीजनल कॉम्प्रिहैन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप।

ई.यू., असियान और लैटिन अमेरिकी देश यूएस संरक्षणवाद से बचने के लिए अधिक क्षेत्रीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की कोशिश कर सकते हैं। वाइट हाउस में ट्रंप के आने के बाद, यूएस-चीन प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होने की संभावना है। ट्रंप का चीन पर कठोर रुख तनाव बढ़ा सकता है, जो ग्लोबल ग्रोथ और व्यापार प्रवाह को प्रभावित करेगा। उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव हो सकता है कि वे यूएस या चीन में से किसी एक के साथ गठबंधन करें, और इससे उनकी विदेश नीति आर्थिक रणनीतियों में जटिलता पैदा हो सकती है।

एक नया जिओपोलिटिकल समीकरण भी संभव है। यूरोप और एशिया के पारंपरिक अमेरिकी सहयोगी ट्रंप की अनिश्चितता से बचने के लिए क्षेत्रीय पार्टनरशिप को गहरा सकते हैं। रुस और चीन, मध्य पूर्व, अफ्रीका और मध्य एशिया में अपने प्रभाव का विस्तार कर सकते हैं।

जहाँ तक ऊर्जा बाज़ारों का प्रश्न है जलवायु समझौतों से यूएस के बाहर जाने की संभावना और जीवाश्म ईंधन पर नया फोकस वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को कमजोर कर सकता है। तेल निर्यातक देशों को, नवीकरणीय ऊर्जा में अमेरिका की घटती भूमिका का फायदा हो सकता है, लेकिन भू-राजनीतिक तनावों के कारण मूल्य अस्थिरता का सामना भी करना पड़ सकता है।

ट्रंप की नीतियां ग्लोबल टैक इकोसिस्टम प्रणालियों के खंडित होने का कारण बन सकती हैं, क्योंकि कई देशों ने टैक्नॉलजी पर अमेरिकी प्रतिबंधों के जवाब में समानांतर प्रणालियां विकसित की हैं और अंत में अमेरिका -चीन प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा के तेज होने के कारण विकासशील देशों को सस्ती टैक्नॉलजी तक पहुंच बनाने में कठिनाई हो सकती है।

ट्रंप की नीतियों में वैश्विक व्यवस्था को नया आकार देने की क्षमता है। जहाँ, कुछ देशों को यूएस द्वारा छोड़े गए आर्थिक और रणनीतिक खाली स्थान से लाभ हो सकता है। अन्य देशों को आर्थिक व्यवधानों और बढ़े हुए भू-राजनीतिक तनावों का सामना करना पड़ सकता है।

संकल्प पत्र-2 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तक मुफ्त शिक्षा देंगे। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15 हजार रूपए देंगे। । पार्टी ने दिल्ली में ऑटो-टैक्सी वेलफेयर बोर्ड बनाने तथा ऑटो-टैक्सी वालों को 10 लाख का जीवन बीमा और पांच लाख रुपए का दुर्घटना बीमा देने का वादा किया है।

ठाकुर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने दलालों को खत्म कर दिया है और डीबीटी के माध्यम से जन-कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। भ्रष्टाचार के प्रति मोदी सरकार की नीति ज़ीरो टॉलरेंस की है।

हमारी सरकार बनने पर हम स्वास्थ्य, यातायात, बिजली, पानी और परिवहन आदि से जुड़ी समस्याओं को हल करेंगे। दिल्ली वालों को बेहतर आज और बेहतर कल देने का प्रयास करेंगे।

भाजपा ने कामगारों के लिए डोमेस्टिक वेलफेयर बोर्ड बनाने की बात कही है। इसके 10 लाख रुपये का जीवन बीमा, 05 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा, उनके बच्चों के लिए छात्रवृत्ति और 06 महीने की पेड मैटरनिटी लीव देने का किया गया है।

‘केवल अमेरिका में पैदा होना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बच्चों को अमेरिकन नागरिक माना गया था।

वर्ष 1898 में अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा था कि अगर चीन के दम्पती की संतान अमेरिका में जन्म लेती हे तो वह नागरिकता प्राप्त करने का अधिकारी है।

ट्रम्प के आदेश के अनुसार, अगर अमेरिका में जन्मे बच्चों के माता-पिता अमेरिकन नागरिक नहीं हैं तो उन्हें भी अमेरिका की नागरिकता नहीं मिलेगी।

ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि 14वें संशोधन की गलत व्याख्या की गई है।

ट्रम्प के आदेश में कहा गया है कि, चौदहवां संशोधन यह नहीं कहता है कि अमेरिका में जन्में सभी लोगों केा अमेरिकन नागरिकता मिलेगी। इस संशोधन में अमेरिका में जन्मे लोगों को जन्म आधारित नागरिकता की बात नहीं की गई थी, बल्कि उसे क्षेत्राधिकार के दायरे में रखा गया था।

हालिया जनगणना के अनुसार, अमेरिका में 54 लाख से अधिक भारतीय हैं, जो अमेरिकी आबादी का लगभग 1.47 प्रतिशत हैं। इनमें से दो-तिहाई अप्रवासी हैं, जबकि 34 प्रतिशत अमेरिका में जन्मे हैं।

अगर ट्रम्प का कदम लागू होता है तो अस्थायी कार्य वीज़ा या पर्यटक वीज़ा पर अमेरिका में रह रहे भारतीय नागरिकों के बच्चों को स्वत: नागरिकता नहीं मिलेगी।

कार्यकारी आदेश का उद्देश्य देश में "बर्थ टूरिज़्म" करना भी है। इसमें एक महिला अमेरिका जाती है और वहाँ बच्चे को जन्म देती है, जिससे अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मैक्सिकन और भारतीयों को इसमें आगे माना जाता है।

ट्रम्प ने कहा, "थोड़े समय में, हम पनामा नहर को वापस लेने जा रहे हैं। यूएस ने इस परियोजना पर पहले से अधिक पैसा खर्च किया और 38,000 जानें गंवाई है। अब चीन नहर का संचालन कर रहा है और अमेरिकी जहाजों से भारी शुल्क लिया जा रहा है।"

लेकिन तथ्य कुछ और बताते हैं, क्योंकि पनामा नहर के निर्माण में अमेरिकी प्रयासों के दौरान हुई मौतों की वास्तविक संख्या लगभग 5,600 थी, 38,000 नहीं। अधिकांश मृतक कैरेबियाई श्रमिक थे, जिनमें एंटीगुआ, बारबाडोस और जमैका वेलोग शामिल थे। इसके अतिरिकत, यह दावा कि चीन नहर पर नियंत्रण कर रहा है, गलत है। हालांकि 1997 में एक हांगकांग कंसोर्टियम ने एक बंदरगाह संचालन का ठेका जीता था, यूएस और ताइवान कंपनियां नहर के अन्य बंदरगाहों का संचालन करती हैं।

ट्रम्प ने कहा, "महंगाई संकट भारी अधिक खर्च और बढ़ती ऊर्जा कीमतों के कारण था। मैं अपनी कैबिनेट को इस रिकॉर्ड महंगाई को हराने का निर्देश दूंगा।"

ट्रम्प साफ झूठ बोलने से कतराते नहीं, उन्होंने कहा, 2022 की गर्मियों में महंगाई सर्वाधिक 9.1 प्रतिशत पहुँच गई थी, लेकिन यह यूएस इतिहास की सबसे अधिक महंगाई नहीं थी। जून 1920 में महंगाई 23.7 प्रतिशत तक पहुँच गई थी जो सर्वाधिक थी। दिसंबर 2024 तक महंगाई घटकर 2.9 प्रतिशत हो गई थी, जो "रिकॉर्ड महंगाई" के दावे के विपरीत है।

शोध दिखाते हैं कि आप्रवासी, जिनमें शरण लेने वाले या कार्य परमिट वाले लोग शामिल हैं, के अपराध करने की संभावना अमेरिकी नागरिकों की तुलना में कम होती है। कई अध्ययन, जिनमें कैटो इंस्टीट्यूट से भी शामिल हैं, बताते है कि "आप्रवासी यूएस में अपराध दरों को नहीं बढ़ा रहे हैं", यह बात ट्रम्प के दावे के विपरीत है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

जांच में दूध के 14 सैम्पल निम्न स्तर के मिले

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. भीलवाड़ा के तत्वाधान में मंगलवार प्रात: सात बजे से सांय तीन बजे तक आयोजित जांच शिविर में प्राप्त 40 सैम्पल में से 14 सैम्पल निम्न स्तर के पाये गये हैं। जांच शिविर में उपभोक्ताओं को दुग्ध व दुग्ध से निर्मित उत्पादों के गुणवत्ता की जानकारी प्रदान करते हुये स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया है। बुधवार को जांच शिविर का आयोजन रावला चैक सांगानेर में किया जायेगा। उपभोक्ताओं हेतु दुग्ध एंव दुग्ध उत्पादों (घी, छाछ, दही, पनीर, श्रीखण्ड, अन्य सभी उत्पादो) की गुणवत्ता निरीक्षण भीलवाड़ा डेयरी में नि:शुल्क किया जायेगा।

मासूम बालिका की हत्या, सौतेले पिता पर हत्या का आरोप

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में मंगलवार को दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। उद्योग नगर इलाके के डीसीएम क्षेत्र में एक वर्षीय मासूम बालिका की हत्या का आरोप बालिका की मां ने उसके सौतेले पिता पर लगाया है।

मासूम की हत्या की सूचना मिलते ही महिला अपराध अनुसंधान सेल के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालूराम वर्मा, उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह एमबीएस अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। महिला अपराध अनुसंधान सेल के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालूराम वर्मा ने बताया कि बच्ची को मां कोमल गंभीर अवस्था में अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मां ने बताया कि सौतेला पिता बच्ची को पसंद नहीं करता था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालू राम वर्मा ने बताया कि पहले पति से अनबन होने के बाद दो माह पहले ही कोमल ने डीसीएम के जितेन्द्र उर्फ जीतू के साथ नाता विवाह किया था, पर बच्ची उसके पहले पति की थी। मां ने बताया कि सुबह जब बच्ची को जगाया तो बच्ची जगी नहीं, जिस पर वह उसके पिता के पास बच्ची को लेकर पहुंची और दोनों बच्ची को लेकर अस्पताल पहुंचे थे, जहां चिकित्सक ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। एडिशनल एसपी ने बताया कि मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम मे प्रथमदृष्टया से हत्या का प्रकरण सामने आया। मासूम के शरीर पर चोट के निशान भी है। मामले में सौतले पिता पर हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

व्यापार में घाटा लगने पर युवक ने सुसाइड किया

बिलौची में पहाड़ी पर पेड़ से लटका मिला शव

मानपुरा माचेड़ी, (निसं)। व्यापार में घाटा लगने पर गांव मालेरा के एक युवक ने बिलौची स्थित राम रूणिचा धाम की पहाड़ियों पर पेड़ से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। लोगों की सूचना पर दौलतपुरा पुलिस ने लाश को फंदे से खोलकर अस्पताल की मोर्चरी में पहुचाया व घटना का मौका मुआयना किया। दौलतपुरा थाना अधिकारी मनीष शर्मा ने बताया कि गांव मालेरा निवासी कन्हैया लाल मीणा (35) कपड़े का व्यापार करता था।

व्यापार में घाटा लगने पर वह काफी तनाव में था। सोमवार को वह काम से जाने की कहकर घर से निकला था। मंगलवार सुबह बिलौची की राम रुणिचा की पहाड़ी पर एक पेड़ से फंदा लगाकर लटकी लाश लोगों ने देखी तो इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने कन्हैया मीणा के रूप में लाश की शिनाख्त की। मृतक के शव को फंदे से नीचे उतारकर अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पांच हजार का इनामी रणजीत बंजारा मध्यप्रदेश से गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की डीएसटी टीम और हमीरगढ़ थाना पुलिस ने मध्यप्रदेश के नीमच जिले के गांव झिकरिया रुंडी, गांव मनासा में अलसुबह दो थानों के वांछित और 25 हजार रुपये के इनामी रणजीत बंजारा को गिरफ्तार किया है।

- **छह साल से केरल, तमिलनाडु में फरारी काट रहा था, अभी अपने गांव आया हुआ था**
- **आरोपी प्रताप नगर और सदर थाने में दर्ज मामले में इनामी तस्कर है, पुलिस को तलाश थी**

छह साल से फरार तस्कर को पुलिस ने एम. पी. से दबोचा।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के आदेश से भीलवाड़ा पुलिस वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चला रही है। इस अभियान को लेकर एएसपी पारसमल जैन के निर्देशन, डीएसपी सदर श्यामसुंदर विश्नोई और डीएसपी सिटी मनीष बड़गुर्जर के निकटतम सुपरविजन में टीम गठित की गई। इस टीम ने डोडा-चूरा सप्लाई के मामले में प्रताप नगर थाने के 25 हजार रुपये व पुर थाने के मामले में 20 हजार रुपये के इनामी मध्यप्रदेश के नीमच जिले के झिकरिया रुंडी निवासी रणजीत पुत्र गोपी उर्फ गोपाल बंजारा को पकड़ने के लिए भीलवाड़ा पुलिस की विशेष टीम ने अल सुबह उसके गांव और घर को घेर लिया। मकान से बाहर जाने वाले रास्तों पर जाब्ता लगाया गया। इसके बाद सुबह करीब चार बजे उसके घर दबिश दी और इसके बाद आरोपित रणजीत को डिटेन कर यहां लाया गया, जिसे पूछताछ व अनुसंधान के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस का कहना है कि यह आरोपी बीते छह साल से केरल और तमिलनाडु में फरारी काट रहा था और अभी अपने गांव आया हुआ था। इस कार्रवाई को डीएसटीभीलवाड़ा के कांस्टेबल अमृत सिंह व ऋषिकेश की सूचना पर अंजाम दिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित रणजीत प्रताप नगर और सदर थाने में दर्ज मामले में इनामी तस्कर हैं, जिसकी पुलिस को तलाश थी। इन मामलों में पकड़े गये आरोपितों ने जब्त डोडा-चूरा आरोपित रणजीत द्वारा सप्लाई करना कबूल किया था। इसके चलते आरोपी को पुलिस ने नामजद किया, लेकिन बीते छह साल से वह फरार था।

तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े कारोबारी सहित युवकों को टक्कर मारी

- **टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक उछलकर करीब 15 फीट दूर जा गिरे, गंभीर चोटें आई**
- **केबल कारोबारी की चार पसलियां टूट गई और पैर में फ्रैक्चर हो गया, मामला दर्ज**

अजमेर, (कासं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के गणेश चौक में "हिट एंड रन" का मामला सामने आया है। सड़क किनारे खड़े होकर बात कर रहे केबल व्यवसायी सहित दो युवकों को तेज रफ्तार से आई कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक उछलकर करीब 15 फीट दूर जा गिरे। केबल कारोबारी की चार पसलियां टूट गई और पैर में फ्रैक्चर हो गया, जबकि दो युवकों को गंभीर चोटें आई है। कारोबारी भाई ने कार चालक के खिलाफ थाने में "हिट एंड रन" का मुकदमा दर्ज कराया है। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाना इंचार्ज दिनेश चौधरी ने बताया कि पट्टीकटला गणेश चौक निवासी केबल कारोबारी पंकज व्यास के भाई धीरज ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए कार चालक के खिलाफ हिट एंड रन का मुकदमा दर्ज करवाया है। दर्ज रिपोर्ट में व्यास ने बताया कि बीती रात दर्ज एक कार आरजे01-जीसी-4884 नंबर की एसयूवी चला रहे गौरव ने वारदात को अंजाम दिया है। गणेश चौक इलाके में रोड किनारे खड़े भाई पकंज और संदीप प्रजापति को टक्कर मार दी, जिसमें भाई पंकज की तीन पसलियां टूटी हैं, साथ ही पैर फ्रैक्चर हो गया है।

धीरज व्यास ने बताया कि बड़े भाई पंकज व्यास की कोतवाली थाना इलाके के आगरा गेट क्षेत्र में केबल की दुकान है। घटना वाली रात को पंकज दुकान से घर आया और खाना खाकर दोस्तों से मिलने चला गया। रात 12 बजे के करीब पंकज अपने दोस्त संदीप प्रजापति व अन्य साथ गणेश मंदिर चौक में खड़े होकर बात कर रहा था, तभी तेज रफ्तार एसयूवी कार ने जोरदार टक्कर मार दी। बाइक के साथ पंकज और संदीप उछलकर 15 फीट दूर जाकर गिरे। वारदात के बाद कार चालक फरार हो गया।

पंकज को परिवार वाले पुष्कर रोड स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। यहां उसका इलाज चल रहा है। यह घटना सीसीटवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज करा जांच एएसआई शिवलाल को सौंपी गई है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गाड़ी नंबर ट्रेस कर आरोपी का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

धमकी देने वाले बदमाशों ने बीच बाजार माफी मांगी

सोशल मीडिया पर धमकी देने वाले बदमाश बीच बाजार माफी मांगते नजर आए।

- **चार जनवरी की रात को 25 राउंड फायरिंग कर सोशल मीडिया पर धमकी दी थी**

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। थाना इलाके के बड़ की ढाणी में हिस्ट्रीशीटर रोहित महला के घर पर 13 जनवरी व 14 जनवरी की रात को 25 राउंड फायरिंग कर सोशल मीडिया पर धमकी देने वाले बदमाश मंगलवार को बीच बाजार माफी मांगते नजर आए।

जानकारी के अनुसार इस फायरिंग के मामले में पुलिस ने मेहाड़ा थाने के हिस्ट्रीशीटर और ब्लेकिया गैंग के मुखिया कुड़ी की ढाणी तन बांसियाल निवासी लोकेश गुर्जर उर्फ लक्की शूटर और इसी गांव के लक्की के साथी सुनिल खटाना के साथ मेहाड़ा थाना इलाके के ही इलाखर गांव निवासी सगे भाई हिमांशु और हेमंत मान को गिरफ्तार किया था। इन चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 24 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। मंगलवार को आरोपियों से मौका तस्दीक करवाने के लिए डीएसपी राजवीर सिंह तथा सीआई राममनोहर थाने से चारों को पैदल ही लेकर बड़ की ढाणी के लिए निकले।

इस दौरान बाजार में चारों बदमाश कान पकड़े रहे और गलती हो गई आगे से बदमाशी नहीं करेंगे ही रटते रहे। बाजार में व्यापारियों ने डीएसपी राजवीर सिंह, सीआई राममनोहर सहित पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों का माला पहनाकर स्वागत भी किया। डीएसपी राजवीर सिंह ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। वहीं घटना में शामिल अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। बदमाशों को किसी सूरत में नहीं बख्शा जाएगा।

जानकारी के अनुसार ब्लेकिया गैंग के हेमंत मान और गुढ़ा थाने के हिस्ट्रीशीटर रोहित महला निवासी बड़ की ढाणी की आपसी रंजिश चल रही है। जिसके चलते ब्लेकिया गैंग ने पहले हांसलसर और बाद में बड़ की ढाणी में हिस्ट्रीशीटर रोहित महला के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। फायरिंग के बाद सोशल मीडिया पर रोहित महला को धमकी दी थी कि सामने मिल गया तो अंजाम बुरा होगा। पुलिस ने इस तरह की फायरिंग की वारदात को चुनौती के रूप में लिया, जिसके बाद आरोपियों को दिल्ली व जयपुर से दबोचा गया।

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021) (Estate Cell)

NOTICE INVITING E-BID (NIB 46/ 2024-25)

E-Bid is invited for **"Renovation & Up gradation of University main gate"** (Estimated cost Rs. 14.78 lacs). Further details may be obtained from **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in** & **www.vmou.ac.in** w.e.f. 22/01/2025.

(UBN : VMU2425WSOB00045)

Raj.Samwad/C/24/10584 OIC (Estate)

OFFICE OF THE PRINCIPAL, RNT MEDICAL COLLEGE & CONTROLLER ASSOCIATED GROUP OF HOSPITALS, UDAIPUR (RAJ.)

No. RNT/Pur-1/F.16/(e-Tendering Proc)/2024-25/731 Dated:- 08.01.2025

Notice Inviting Bid No.16/2024-25(e-Tender)

Bids for Medical Equipments are invited from interested bidders upto Date: 24.01.2025 Time: 10.30 AM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. **UBN- MCU2425GSOB00130, MCU2425GLOB00131, MCU2425GSOB00132, MCU2425GSOB00133, MCU2425GSOB00134, MCU2425GSOB00135, MCU2425GSOB00136, MCU2425GLOB00137. MCU2425GSOB00138, MCU2425GLOB00139, MCU2425GSOB00140, MCU2425GSOB00141, MCU2425GSOB00142, MCU2425GSOB00143, MCU2425GSOB00144, MCU2425GLOB00145, MCU2425GLOB00146**

(Dr.Vipin Mathur)
PRINCIPAL & CONTROLLER

DIPR/C/608/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटर शेड सेल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद बारां
मिनी सचिवालय विस्तार भवन, ब्लॉक-बी, प्रथम तल कलेक्ट्रेट परिसर बारां
फोन/फैक्स नं. 07453-237201 E Mail: sewdsc.baran@rajasthan.gov.in
क्रमांक-एफ/जलग्रहण/निविदा/2024-25/3571 दिनांक-09.01.2025

निविदा सूचना संख्या-13/2024-25
NIB NO. WSC2425A0494

मुयमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.0 प्रथम चरण के अन्तर्गत बारॉ जिले के पंचायत समिति अटरू, बारां, मांगरोल व अन्ता में स्वीकृत पक्का चैकडेम/एनिकट निर्माण कार्य, तालाब/तलाई निर्माण, एम.पी.टी., पी.टी.सी.सी.टी., चारागाह विकास एवं संकन पोण्ड कार्यों के निर्माण के लिए अनपुमानित मूल्य 435.99 लाखों में बोलियां इच्छुक बोलीदाताओं से 09.01.2025 को शाम 6 बजे से 28.01.2025 को शाम 6 बजे तक आमंत्रित की जाता है। बोली के अन्य विवरण राज्य के प्रोक्यूरेमेंट पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) व विभागीय वेबसाईट www.watershed.gov.in departfmental website पर दी जा सक्ते है।
UBN NO.-WSC2425WSOB01041, UBN NO.-WSC2425WSOB01042, UBN NO.-WSC2425WSOB01043, UBN NO.-WSC2425WSOB01044, UBN NO.-WSC2425WSOB01045, UBN NO.-WSC2425WSOB01046, UBN NO.-WSC2425WSOB01047, UBN NO.-WSC2425WSOB01048, UBN NO.-WSC2425WSOB01049

(मनोज कुमार पूरबगोला)
अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक,
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर
जिला परिषद, बारां

DIPR/C/685/2025

कार्यालय नगर परिषद टोंक
क्रमांक :- एमसीटी/राजस्व शाखा/2024-25/11652 - 54 दिनांक :- 20/01/2025

निविदा सूचना संख्या : राजस्व/02/2024-25

राजस्थान राज्य – पत्र विशेषांक मे प्रकाशित नगर परिषद टोंक क्षेत्र मे गुजरने वाले वाहनो (माल) वर्णित वस्तु पर प्रवेश कर नियम–2014 व संशोधन 2016 के अन्तर्गत ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र मे प्राप्त की जावेगी। **(UBN No. : DLB2425GLOB15240)**

क्र. सं.	निविदा का कार्य	परिषद क्षेत्र से गुजरने वाले वाहनो (माल) वर्णित वस्तु पर प्रवेश कर बाबत्
1	अनुमानित प्रारम्भिक आधार मुल्य राशि	40000000 / – रूपये
2.	कुल धरोहर राशि (रूपये मे)	लागत की दो प्रतिशत 800000 / – रूपये
3.	निविदा शुल्क	5000 / –
4.	निविदा आवेदन / डाउनलोड करने की तारीख	21.01.2025 से दिनांक 05.02.2025
5.	ऑन लाईन निविदा जमा कराने की तारीख	05.02.2025 सायं 6.00 बजे तक
6.	ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	06.02.2025 अपरान्ह 2.00 बजे तक
7.	निविदा शुल्क प्रोसेसिंग फीस, एवं धरोहर राशि डीडी व अन्य दस्तावेज जमा कराने की तारीख	06.02.2025 दोपहर 12.00 बजे तक नगर परिषद टोंक राजस्व शाखा में ।

निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट **Portal www.sppp.rajasthan.gov.in http://www.eproc.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/24/10605 प्रशासक आयुक्त

कार्यालय नगर पालिका आहोर, जिला–जालोर (राज.)
क्रमांक / नपाआहोर / विकास / 2024–25 / 1999 दिनांक : 14.01.2025

–: निविदा सूचना :–
(निविदा क्रमांक /2024–25)

नगर पालिका आहोर क्षेत्र में निर्माण कार्यो को करवाये जाने हेतु राजस्थान के विभिन्न विभागो / निगमो / स्वायत्तशासी संस्थान / बोर्डो / राजकीय उपकमो में AA एवं A श्रेणी में पंजीकृत तथा स्वायत शासन राजस्थान के अधिन विभागो / संस्थानो नगर पालिका / नगर परिषद / नगर निगम, व बोर्डो में निर्धारित श्रेणी में निविदा जारी होने की दिनांक को पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त संवेदको से निर्धारित शर्तो के अनुसार मुहरबंद निविदाये तथा ऑन लाईन ई–निविदाए आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.बी. नम्बर	DLB2425A5035
एवं यू.बी.एन. कोड	DLB2425WSRC15253, 54, 55, 56, 57, 59, 60, 61, 63, 64, 65, 67, 68, 70, 72, 73, 74, 76
कार्यो की संख्या	18
कार्यो की अनुमानित लागत	307.12 लाख
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलने की तारीख	21.01.2025 को प्रात: 10.00 बजे से 27.01.2025 को साय: 06.00 बजे तक
ऑन लाईन तकनिकी एवं वित्तिय निविदा अपलोड करने की तारीख	21.01.2025 को प्रात: 10.00 बजे से 27.01.2025 को साय: 06.00 बजे तक
ऑफ लाईन तकनिकी निविदा जमा कराने की तारीख	दिनांक 28.01.2025 को प्रात: 11.00 बजे तक
निर्धारित समय तक प्राप्त ऑफ लाईन तकनिकी निविदाओं की पात्रता का मुल्यांकन करना।	दिनांक 28.01.2025 को दोपहर: 12.00 बजे से
ऑन लाईन तकनिकी / वित्तीय निविदाऐं खोलने की तारीख	दिनांक 29.01.2025 को दोपहर : 02:00 बजे
निविदाऐं खोलने का स्थान	नगर पालिका कार्यालय, आहोर

निविदा से सम्बन्धित शर्ते एवं विस्तृत विवरण वेब पोर्टल http//:sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है तथा निविदा प्रपत्र डाउनलोड किया जा सकता है।

अध्यक्ष
नगर पालिका आहोर

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका आहोर

राज.संवाद / सी / 24 / 10599

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
eemhbharatpur@gmail.com
ee-mh-bharatpur@gov.in
Mob. 9602097030
राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर,
मोरी चार बाग-भरतपुर 3211 001 (राज.)
क्रमांक-M&H/2024-25/26 दिनांक-09.01.2025

निविदा सूचना संख्या 16/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर/डीग/धौलपुर/करौली में रू. 725.75 ला के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समका उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समका हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देा जा सकता है।

NIB NO. MHS2425A3166

1.	Construction of SHC Garijheelpatti, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04538
2.	Construction of SHC Gharwari, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04539
3.	Construction of SHC Karmuka, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04540
4.	Construction of SHC Luhesar, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04541
5.	Construction of SHC Mudhera, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04542
6.	Construction of SHC Mundoti, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04543
7.	Construction of SHC Padla, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04544
8.	Construction of SHC Saharai, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04545
9.	Construction of SHC Tarodar, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04546
10.	Construction of SHC Toda, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04547
11	Construction of SHC Kookra, Distt-Dholpur	UBN NO. MHS2425WSOB04548
12	Construction of SHC Maanpur, Distt-Dholpur	UBN NO. MHS2425WSOB04549
13.	Construction of SHC Naagar, Distt-Dholpur	UBN NO. MHS2425WSOB04550
14	Internal Electrification work in PHC Bureli, Distt-Dholpur	UBN NO. MHS2425WSOB04551
15	Construction of SHC Didwari, Distt-Deeg	UBN NO. MHS2425WSOB04552

(एल.के. अग्रवाल)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर

DIPR/C/688/2025

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड
केन्द्रीकृत रोज़गार अधिसूचना (सीईएन) संख्या 08 / 2024

सांकेतिक सूचना

7वें सीपीसी वेतन मैट्रिक्स के लेवल 1 में विभिन्न पद के लिए भर्ती

लेवल 1 के विभिन्न पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। विस्तृत सीईएन 08 / 2024 अपलोड किया जाएगा और ऑनलाइन आवेदन जमा करने का लिंक आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइटों पर लाइव होगा। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि **22.02.2025** है। **आवेदन (सभी प्रकार से पूर्ण) केवल ऑनलाइन ही जमा किए जाने चाहिए।**

ऑनलाइन आवेदन आरम्भ होने की तिथि: 23.01.2025
ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 22.02.2025 23:59 अपराह्न

पदों के नाम	प्रारंभिक वेतन (₹)	पदानुसार शैक्षणिक योग्यता एवं चिकित्सा मानक	आयु (01.07.2025 को)*	कुल रिक्तियां (सभी रेलवे)
7वें सीपीसी वेतन मैट्रिक्स के लेवल 1 में विभिन्न पद	18000	विस्तृत सीईएन के अनुलग्नक– A देखें	18–36 वर्ष	32438

रेलवे जोन–वार रिक्तियों का विस्तृत वितरण विस्तृत सीईएन के अनुलग्नक–बी में दिया गया है।
सीसीएए के अंतर्गत रिक्तियां केवल रेलवे प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं के लिए ही लागू हैं

*इसमें कोविड–19 महामारी के कारण निर्धारित ऊपरी आयु–सीमा में एकमुश्त छूट के अलावा 3 वर्ष की अतिरिक्त छूट शामिल है"।
अधिक जानकारी के लिए, कृपया नीचे सूचीबद्ध भाग लेनेवाले सभी रेल भर्ती बोर्ड (आरआरबी)की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध विस्तृत केंद्रीकृत रोजगार सूचना सीईएन संख्या –08 / 2024 देखें।

आरआरबी और रेलवे का नाम	वेबसाइट पता	आरआरबी और रेलवे का नाम	वेबसाइट पता
अहमदाबाद (डब्लू.आर.)	www.rrbahmedabad.gov.in	गोरखपुर (एन.ई.आर.)	www.rrbgkp.gov.in
अजमेर (एन.डब्ल्यू.आर.)	www.rrbajmer.gov.in	गुवाहाटी (एन.एफ.आर.)	www.rrbguwahati.gov.in
बैंगलोर (एस.डब्ल्यू.आर)	www.rrbbnc.gov.in	कोलकाता (ई.आर.)	www.rrbkolkata.gov.in
भोपाल (डब्ल्यू.सी.आर.)	www.rrbbhopal.gov.in	मुंबई (सी.आर.)	www.rrbmumbai.gov.in
भुवनेश्वर (ई.सी.ओ.आर.)	www.rrbbbs.gov.in	पटना (ई.सी.आर)	www.rrbpatna.gov.in
बिलासपुर (एस.ई.सी.आर.)	www.rrbbilaspur.gov.in	प्रयागराज (एन.सी.आर.)	www.rrbald.gov.in
चंडीगढ़ (एन.आर.)	www.rrbcdg.gov.in	रांची (एस.ई.आर.)	www.rrbranchi.gov.in
चेन्नई (एस.आर.)	www.rrbchennai.gov.in	सिकंदराबाद (एस.सी.आर.)	www.rrbsecunderabad.gov.in

यह अधिसूचना पूरी तरह से सांकेतिक प्रकृति की है। उम्मीदवारों को ऑनलाइन मोड के माध्यम से आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सीईएन –08 / 2024 को अवश्य देंखे। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र / परिशिष्ट / महत्वपूर्ण सूचना समय–समय पर केवल आरआरबी की उपरोक्त वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

संख्या: RRB/All/ADVT/08/2024/Level-1 दिनांक: 22.01.2025

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड पाली
Tel.:02932-221196, Email:eephedpali@yahoo.in
क्रमांक-खण्ड/पाली/निविदा/T.A./2024-25/3746-3757 दिनांक-09.01.2025

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 69-73/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिति कार्यो हेतु लोक निर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-1 नियम 334 (ए) (iii) के तहत रू. 150.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं हेतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र/राज्य सरकार के अधिकृत विभागों/संगठनों, केन्द्रिय लोकनिर्माण विभाग, रेल, डाक, दूरसंचार विभागों में उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से पूर्ण धरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है-

बिड संख्या	UBIN NO.	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि (लाख रू.) 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रक्रिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
69/2024-25	PHE2425WSOB08233	60.00	120000/-	500/-	1500/-	12 Months
70/2024-25	PHE2425WSOB08236	50.00	100000/-	500/-	500/-	12 Months
71/2024-25	PHE2425WSOB08238	50.00	100000/-	500/-	500/-	12 Months
72/2024-25	PHE2425WSOB08240	50.00	100000/-	500/-	500/-	12 Months
73/2024-25	PHE2425WSOB08241	50.00	100000/-	500/-	500/-	12 Months

ऑन लाईन बिड उपलब्ध होने की तिथि	10.01.2025
ऑन लाईन बिड डाउन लोड/अपलोड करने की अंतिम तिथि	22.01.2025 को 6.00 पी.एम.
ऑन लाईन बिड खोलने की तिथि	23.01.2025 को 11.00 पी.एम.

बिड से सम्बन्धित समस्त विवरण वैब साईट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in, व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

(कानसिंह राणावत)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड-पाली

DIPR/C/659/2025

KOTA DEVELOPMENT AUHTORITY, KOTA
Rawatbhata Road, Near CAD Circle, Kota 324009

No. F.9/EE (I-B)/2024-25/1252 Date: 20.01.2025

EXPRESSION OF INTEREST
FOR SALE OF PHOSPHATE RICH ORGANIC MANURE & FERMENTED LIQUID ORGANIC MANURE PRODUCED FROM DEVNARAYAN BIOGAS PLANT
UBN No.- UIK2425GLRC00417

Kota Development Authority, (KDA) Kota has developed Devnarayan Integrated Housing Scheme for rehabilitation of cattle rearers in revenue village Dharmapura. Under this scheme, the KDA has set up a biogas plant of capacity 150 tonne per day based on cow dung with cost of Rs. 30.00 crores. The biogas plant will produce approx 2700 Kgs of biogas and 15 tonnes of PROM per day. The plant will also produce liquid manure of 5 to 10 thousand liters / day which will be prepared as per requirement.

This Expression of Interest is being issued for sale of phosphate rich organic manure(PROM) & Fermented Liquid Organic Fertilizer, which is produce by the KDA Kota as per FCO Standards. Organic Manure is in granulized form like DAP through a granular machine by mixing with Rock Phosphate and Bentonite. The product name will be Devnarayan PROM. This organic manure will be fortified with composting culture consortia and PSB culture.

1. **Phosphate Rich Organic Manure (granulized form):** This organic manure is more useful than conventional DAP in agricultural works. The special benefits of organic PROM compost are as follows:-
- ✓ It improves the physical, chemical and biological properties of soil by increasing the amount of organic carbon and phosphate in the soil.
- ✓ It helps to improve the soil properties by increasing microorganism activity.
- ✓ It balances soil pH by increasing organic carbon.
- ✓ It promotes the fixation of phosphate in the soil.
- ✓ It improves soil fertility and increases the root expansion of crops.
- ✓ The plants become strong and healthy. This improves the quality of crops and vegetables.
- ✓ It enhances the water retention capacity of the land. Less water is required in crops.
- ✓ It reduces weeds up to 50 percent.
- ✓ It builds resistance in the crop against various diseases.
- ✓ It is beneficial for organic farming as it is an eco-friendly organic fertilizer.
- ✓ It helps to increase yield by improving fruit size.

The composition of this prom compost is as follows:-
- **Total Phosphate-** 8.0% (minimum)
- **Total Nitrogen-** 0.4% (minimum)
- **Organic Carbon** 10.0% (minimum)
- **Carbon Nitrogen Ratio** 20:1
- **Ph** 6.70 (maximum)
- **Moisture** 25% (maximum)

2. **Fermented Liquid Organic Fertilizer:** Devnaryan Bhumi Amrit & Devnaryan Bhumi Amrit Ultra (liquid fertilizer) is an anaerobically digested fermented fortified liquid organic manure. Liquid organic manure enriched & fortified with azotobacter, PSB, KMB, Trichoderma, Pseudomonas, Humic acid, amino acid & fulvic acid to enhance the quality of fertilizer.

The special benefits of organic liquid manure compost are as follows:-
- ✓ Being fully fermented and fortified with required microbes. It boosts agri and horticultural production.
- ✓ Devnarayan Bhumi Amrit & Bhumi Amrit Ultra is a natural manure which will bind soil nutrients, loosen hard soil and improves soil structure.
- ✓ It has probiotic microbes that can increase soil fertility so that it improves the quality & quantity of harvest.
- ✓ It can be used as basal manure through irrigation or as a foliar application or spray.

Benefits of Devnaryan Bumi Amrit and Devnaryan Bhumi Amrit Ultra :-
- It is a excellent soil conditioner, adds humus and enhance the soil productivity.
- Plant can absorb preserved NPK immediately.
- It contains micronutrients which are useful for plant growth.
- It improves soil fertility and structure resulting in improve crop yield.
- Its use repels termite and pest it is pathogen free.
- regular use of it reduces weed growth.

- **The composition of Liquid manure is as follows:-**
  - **Moisture percent by weight** 90 to 97%
  - **Total Organic Carbon percent by weight on dry basis** 14.0%
  - **Total Nitrogen, P2O5 & K2O Nutrients on dry basis-** 1.2% (minimum)
  - **Carbon Nitrogen Ratio** 20:1
  - **Ph** 6.528 (maximum)
  - **Conductivity Not more than** 4.00

Eligibility Criteria:
- ✓ **The bidders should have valid license of selling of compost or other agricultural products.**
- ✓ **The bidders should have FCO Registration for selling of compost and other agricultural products.**
- ✓ **The bidders should have annual turnover of Rs. 50 Lakh per year in any one of last 3 years.**

Note: The prospective bidder must quote rate of both products. If bidder quoted single product rate the financial bid will be considered as rejected.

The prospective Bidders may download tender documents from website www.eproc.rajasthan.gov.in and they are required to submit bid through e-tendering as per schedule given below:

i.	Cost of Material	: Rs. 200.00 Lakh
ii.	Earnest Money	: Rs. 4,00,000.00 (2%) For others Rs. 1,00,000.00 (0.50%) for bidders registered under MSME
iii.	Bid Document Cost	: Rs. 7,500/-
iv.	RISL Processing Fee	: Rs. 2,500/-
v.	Mode of Payment	: Online Through SSO Rajasthan
vi.	Date of Online downloading and uploading of tender	: 27.01.2025 (9:00 AM) to 17.02.2025(upto6:00 PM)
vii.	Opening of Technical BID	: 18.02.2025 at 11:00 AM

For any clarification & information contact during office hours or on mobile number 9468625597 or email executiveengineeruitkota@gmail.com .

Secretary
Kota Development Authority , Kota

Raj.Samwad/C/24/10619

अगर देश में इस खेल को बचाना है तो आमूलचूल बदलाव करने होंगे। पुरुष एकल में सुमित नागल 91वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। – मनीषा मल्होत्रा

पूर्व ओलंपियन, टेनिस खिलाड़ी
भारत में टेनिस की मौजूदा स्थिति को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सूर्यकुमार यादव

इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया अपना टी20 मुकाबला खेलेगी। इस 5 मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया की अगुवाई सूर्यकुमार यादव करेंगे। वहीं इस सीरीज का पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। मैच से एक दिन पहले कप्तान सूर्य ने मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भी अपनी बात रखी।आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय स्क्वॉड में सूर्यकुमार यादव को जगह नहीं मिली है। इस दौरान जब प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्या को इसे लेकर सवाल किया गया किया गया कि वनेड के लिए नहीं चुने जाने से दुख होता है?

क्या आप जानते हैं ?... साल 2001 में हुए वनडे में जिम्बाब्वे की टीम को 38 रनों पर चामिण्डा वास ने आठ विकेट तीन मेडन ओवर फेंकते हुए 19 रन दिए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पीसीबी ने बीसीसीआई पर लगाया आरोप, कहा...

बीसीसीआई क्रिकेट में राजनीति ला रहा है

नई दिल्ली, 21 जनवरी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम हाइब्रिड मॉडल के तहत पाकिस्तान नहीं बल्कि दुबई में अपने सारे मैच खेलेगी। वहीं इस बीच चर्चा थी कि टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की ओपनिंग सेरेमनी के दौरान कैप्टन फोटोशूट के लिए पाकिस्तान जाएंगे। लेकिन इस मामले में बीसीसीआई ने अभी तक कुछ भी नहीं कहा है। वहीं अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी के एक अधिकारी ने एक बार फिर बीसीसीआई पर निशाना साधा है।

पीसीबी अधिकारी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की ओपनिंग सेरेमनी के लिए टीम इंडिया के पाकिस्तान नहीं आने की रिपोर्ट्स पर कहा कि बीसीसीआई के कारण वे पाकिस्तान नहीं आ रहे।चैंपियंस ट्रॉफी का उद्घाटन समारोह और कैप्टन्स डे 16 या 17 फरवरी को होगा। कैप्टन्स फोटोशूट के लिए रोहित शर्मा के भी पाकिस्तान जाने की रिपोर्ट्स थीं। लेकिन अब कुछ सफ्ट नहीं है। पीसीबी अधिकारी ने ये भी कहा कि बीसीसीआई खेल में राजनीति को ला रहा है।

टीम इंडिया आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश, 23 फरवरी को पाकिस्तान और 2 मार्च को न्यूजीलैंड से लीग मैच है इंडिया सैमीफाइनल मैच भी दुबई में खेलेगी और अगर फाइनल में भारत पहुंचा तो ये मैच लाहौर की बजाय दुबई में होगा। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, एक सूत्र ने कहा कि हाल में पाकिस्तान आए आईसीसी प्रतिनिधिमंडल में शामिल तीन भारतीय नागरिकों को विश्व संस्था द्वारा पीसीबी को उनके नाम भेजे जाने के तुरंत बाद वीजा जारी कर दिया गया।

सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने सभी कप्तानों, खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को तुरंत वीजा जारी करने के लिए अपनी सरकार से सभी प्रासंगिक मंजूरी हासिल कर ली है, जो टूर्नामेंट से पहले होने वाले कार्यक्रमों के लिए यहां आएंगे। उन्होंने कहा कि, इसमें रोहित या कोई अन्य भारतीय टीम का खिलाड़ी या अधिकारी या बोर्ड अधिकारी शामिल हैं। एक अन्य सूत्र ने पीटीआई को पुष्टि की पीसीबी ने आईसीसी को स्पष्ट कर दिया है कि उद्घाटन समारोह, जिसमें सभी टीमें और उनके कप्तान शामिल होंगे, पाकिस्तान में होगा।

वहीं पीसीबी अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर सोमवार को आईएएनस को बताया कि, बीसीसीआई क्रिकेट में राजनीति ला रहा है, जो खेल के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया है। वे अपने कप्तान को ओपनिंग सेरेमनी के लिए पाकिस्तान नहीं भेजना चाहते, अब ऐसी खबरें हैं कि वे मेजबान देश का नाम अपनी जर्सी पर नहीं छपवाना चाहते। हमारा मानना है कि विश्व शासी निकाय ऐसा नहीं होने देगा और पाकिस्तान का समर्थन करेगा।

सूत्र ने आगे कहा कि, ये सामान्य प्रोटोकॉल के अनुरूप है और चूंकि ओपनिंग सेरेमनी 19 तारीख को है इसलिए उद्घाटन समारोह 16 या 17 तारीख को होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि, उद्घाटन समारोह का कार्यक्रम अभ्यास मैचों के शेड्यूल पर निर्भर करेगा। इस बीची बीसीसीआई ने ना तो रोहित को पाकिस्तान भेजने से इनकार किया है और ना ही उनकी यात्रा की पुष्टि की है। हालांकि, पीसीबी अधिकारी ने उन रिपोर्ट्स पर अपनी निराशा व्यक्त की, जिनमें कहा गया था कि भारतीय टीम अपने टूर्नामेंट की जर्सी पर पाकिस्तान का नाम नहीं पहनेगी।

दो सप्ताह पहले ही मिलेंगे कराची और लाहौर के स्टेडियम

कराची, 21 जनवरी। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नए सिरे से तैयार किए जा रहे कराची और लाहौर के स्टेडियम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से केवल दो सप्ताह पहले पांच फरवरी को मिल पाएंगे। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले इन दोनों स्टेडियम को पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान जांचा परखा जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होगी। इस बात को लेकर चिंता जताई जा रही है कि क्या यह स्टेडियम चैंपियंस ट्रॉफी तक पूरी तरह से तैयार हो जाएंगे और उनमें जोड़ी गई नई सुविधाओं की जांच परख करने के लिए पीसीबी के पास पर्याप्त समय होगा या नहीं। कराची के नेशनल स्टेडियम के महा प्रबंधक अरशद खान ने कहा कि नवीनीकरण का कार्य जनवरी के आखिर तक पूरा हो जाएगा और पांच फरवरी को इसे पीसीबी को सौंप दिया जाएगा। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की भी यही स्थिति है। पीसीबी ने इन दोनों स्टेडियम और रावलपिंडी स्टेडियम के नवीनीकरण पर 12 अरब पाकिस्तानी रुपए खर्च किए हैं। कराची के नेशनल स्टेडियम में आमूलचूल बदलाव किए गए हैं। इसमें एक पांच मंजिला इमारत तैयार होने के करीब है।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की प्लेइंग इलेवन का ऐलान

कोलकाता, 21 जनवरी। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज का आगाज होने जा रहा है। दोनों टीमों के बीच पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इंग्लैंड ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है जबकि टीम इंडिया मुकाबले से पहले ही अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान करेगी। लेकिन उससे पहले बड़ा सवाल ये है कि किस खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलेगा और किसे बाहर बैठना पड़ेगा। बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्दीय टीम का ऐलान किया है लेकिन मौका केवल 11 को ही मिलेगा।इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में सूर्युकमार यादव एक बार फिर से कप्तानी करते हुए दिखेंगे। सीरीज के ज्यादातर युवाओं को मौका दिया गया है। जहां तक पहले टी20 मैच की प्लेइंग इलेवन में जगह ना पाने वाले खिलाड़ियों की बात है तो इसमें पहला नाम तो ध्रुव जुरेल का ही आता है। वे टीम में दूसरे विकेटकीपर के तौर पर चुने गए हैं। इससे पहले विकेट कीपर तो संजू सैमसन ही होंगे और उनका खेलना पक्का है।

वहीं सीरीज के दो सलामी बल्लेबाज चुने गए हैं इसमें पहला नाम संजू सैमसन का है और दूसरा अभिषेक शर्मा हैं। तीसरा कोई विकल्प है ही नहीं। संजू सैमसन खेलेंगे तो कीपिंग की जिम्मेदारी भी वही निभाते हुए दिखेंगे। ऐसे में बतौर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल खेलेंगे, इसकी संभावना काफी कम है। वहीं अगर प्लेइंग इलेवन में जगह ना पाने वाले दूसरे खिलाड़ी की बात करें तो हर्षित राणा हो सकते हैं।

वहीं टीम इंडिया दो गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। इसमें मोहम्मद शमी और अर्शदीप सिंह के नाम सबसे पहले आते हैं। जहां एक ओर शमी की लंबे लंबे समय बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी हो रही है। वहीं अर्शदीप सिंह भी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुने गए हैं, ऐसे में उन्हें अपनी रिदम पाने का बेहतर मौका होगा। तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका हार्दिक पंड्या निभा सकते हैं इसका मतलब है कि हर्षित राणा के लिए मौका नहीं बन पा रहा है।

भारत की संभावित प्लेइंग इलेवनः- संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती।

युवा प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के इंजन

युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़े, राज्य सरकार उन्हें उपलब्ध करवाएगी मंचः सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर, 21 जनवरी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं को प्रदेश की आर्थिक समृद्धि का इंजन बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार उनके सपनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त अवसर दे रही है और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए मंच उपलब्ध करायेगी ताकि वे देश एवं प्रदेश की प्रगति में भी अपना अहम योगदान दे सकें। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में युवा और खेल क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व चर्चा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार युवा एवं खेल प्रतिनिधियों के सभी सुझावों पर विचार कर उन्हें बजट में यथासंभव शामिल करेगी ताकि आपणो अग्रणी राजस्थान का सपना साकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि युवा अपार ऊर्जा, नवाचार और सृजनशीलता के स्त्रोत हैं। स्वामी विवेकानंद का कहना था कि 21वीं सदी भारत की है तथा युवा पीढ़ी में हर समस्या का समाधान करने का सामर्थ्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़े तथा हम उन्हें हर संभव मंच उपलब्ध कराएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के खेल परिदृश्य में अभूतपूर्व बदलाव आया है। खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे मूवमेंट से देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ ने 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी को लेटर ऑफ इंटेंट भी भेजा है। भारत के खिलाड़ी अब विश्व भर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं तथा आज भारत एक खेल शक्ति बनकर उभर रहा है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान खेलों के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा हमारी प्राथमिकता है कि प्रदेश खेलों में अग्रणी राज्य बने।

उन्होंने कहा कि नई खेल नीति, खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का आयोजन, राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम, मिशन ओलंपिक 2028, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फोर स्पोर्ट्स जैसे निर्णयों से प्रदेश में खिलाड़ियों को तैयारियों के लिए समुचित अवसर मिल रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य के हर जिले में खेल से संबंधित सुविधाओं का विकास करने के लिए एक जिला-एक खेल, की योजना शुरू की गई हैं जिससे जिले में अन्य खेलों के साथ एक विशेष खेल को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे युवा खिलाड़ी दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। इस बार पेरिस पैरालिंपिक में प्रदेश के आठ खिलाड़ियों ने भाग लिया तथा स्वर्ण, कांस्य सहित कुल तीन पदक जीते। राज्य सरकार ने मेडल जीतने वाले तीनों खिलाड़ियों को पांच-पांच करोड़ रुपये की राशि प्रदान कर उनका सम्मान और उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यह बेहद गर्व का विषय है केन्द्र सरकार द्वारा दिव्यकृति सिंह राठौड़ को अर्जुन पुरस्कार और पैरा-एथलेटिक्स प्रशिक्षक महावीर सैनी को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने खो-खो वर्ल्ड कप में विजेता भारतीय टीम को तथा उस टीम में शामिल राजस्थान की बेटी निर्मला भाटी को जीत की बधाई दी।

शर्मा ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए नई युवा नीति तैयार की जा रही हैं। हमने हाल में राजस्थान युवा महोत्सव 2024-25 आयोजित किया है, जिसमें करीब दो लाख युवा जुड़े। इस महोत्सव से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपनी क्षमता को पहचानने का बेहतरीन मंच मिला। उन्होंने कहा कि युवाओं को काउंसलिंग और मार्गदर्शन के लिए संभाग मुख्यालयों पर युवा साथी केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं।

भारतीय दिव्यांग टीम ने इंग्लैंड को हराकर पीडी चैंपियंस ट्रॉफी जीती

नई दिल्ली, 21 जनवरी। योगेन्द्र (73), माजिद (33) के बाद राधिका प्रसाद (चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम ने मंगलवार को इंग्लैंड को 79 रनों से हराकर टी-20 पीडी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया।

भारतीय टीम के 197 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे टिक नहीं खेल सके। इंग्लैंड की ओर से हैमंड ने सबसे अधिक 35 गेंदों पर 35 रन बनाये। भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड टीम को 19.2 ओवर में 118 रन पर समेट कर मुकाबला 79 रनों से जीत लिया। भारतीय टीम की ओर से राधिका प्रसाद ने चार विकेट लिये। आज विक्रांत केनी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में योगेन्द्र ने 40 गेंदों में (73), माजिद 19 गेंदों पर (नाबाद 33) की बेहतरी पारियों की मदद से निर्धारित 20 ओवर में रन 197 का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से हैमंड ने दो विकेट लिये।

बीसीसीआई की गाइडलाइन पर इंग्लैंड कप्तान जोस बटलर का बयान, कहा- परिवार के होने से क्रिकेट पर असर नहीं पड़ता

कोलकाता, 21 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने हाल ही में टीम इंडिया के खिलाड़ियों के परिवार के दौरे पर रहने के समय को कम कर दिया। बोर्ड ने अपने अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए 16 जनवरी को 10 दिशानिर्देश जारी किए। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटर ने मंगलवार को कहा कि परिवार के आसपास होने से क्रिकेट पर कोई असर नहीं पड़ता है। इसे मैनेज किया जा सकता है।

बटलर ने पहले टी20 से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, मुझे लगता है कि ये अहम है। हम आज के समय में जी रहे हैं जो एक बहुत ही आधुनिक दुनिया है और अपने साथ टूर पर परिवार को ले जाना बहुत बढ़िया है, इसका आनंद लेने की कोशिश करें। मुझे नहीं लगता कि इससे क्रिकेट पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है और ये कुछ ऐसा है जिसे बहुत आसानी से मैनेज किया जा सकता है।

इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने कहा

हमारी टीम के गेंदबाज भी अच्छी बल्लेबाजी कर लेते है जोकि टीम की मजबूत कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड पहले टी-20 मैच में तेज गेंदबाजी की अगुवाई करेंगे, जबकि सॉल्ट और डकेट पारी की शुरुआत करेंगे।

इंग्लैंड के कप्तान ने अपनी टीम में युवा बल्लेबाज बेथेल की तारीफ करते हुए कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेहतरीन पदार्पण किया है। वह एक स्पष्ट सोच के साथ खेलते हैं। उनके खेल में वह खासियत है कि वह इस स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर सकें। आपने सफेद गेंद के खेल में उनके प्रदर्शन को देखा होगा। साथ ही पिछले महीने उन्होंने टेस्ट श्रृंखला के दौरान जिस तरह का खेल दिखाया, वह शानदार था। अभी वह अच्छी लय में हैं। उन्होंने कहा कि उनका निचला मध्य क्रम और कुछ गेंदबाज भी अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। उन्होंने कि इससे ऊपरी क्रम के बल्लेबाज़ ज़्यादा आज़ादी के साथ खेल सकते हैं।

कल होने वाले मैच के लिए इंग्लैंड की एकादश इस प्रकार है :- बेन डकेट, फिल सॉल्ट, हैरी ब्रूक, जॉस बटलर, लियम लिविंगस्टन, जेकॉब बेथेल, जेमी ओवर्टन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल रसीद और मार्क वुड।

श्रीलंका की महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 81 रनों से हराया

कुआलालंपुर, 21 जनवरी। कप्तान मानुदी ननायक्करा (41), संजना कविंदी (39) रनों की पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को श्रीलंका की महिला टीम ने अंडर-19 विश्वकप में वेस्टइंडीज को 81 रनों से हरा दिया। श्रीलंका के 166 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 16 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद कप्तान सामरा रामनाथ और जी क्लैक्सटन ने पारी संभालने का प्रयास किया लेकिन श्रीलंकाई गेंदबाजी के आगे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके। तीसरे विकेट के रूप में जी क्लैक्सटन (15) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद अमृता रामटहल (11), केनिका कसार (12) रन बनाकर आउट हुयी। वेस्टइंडीज के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। कप्तान सामरा रामनाथ ने 23 गेंदों में (24) रनों की पारी खेली। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज की पूरी टीम को 19.4 ओवर में 85 रन पर समेटकर 81 रनों से बड़ी जीत दर्ज की।

श्रीलंका की ओर से चमोदी प्रबोदा ने तीन विकेट लिये। असेनी थलागुने और लिमंसा थिलाकरथना को दो-दो विकेट मिले। प्रमुदी मेथसरा और शशिनी गिम्हानी ने एक-एक बल्लेबाजों को आउट किया। इससे पहले आज यहां श्रीलंका की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने श्रीलंका के लिए संजना कविंदी और सुमुदु निसांसला की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़े।

सात्विक-चिराग की जोड़ी इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

आयुष और तान्या मुख्य दौर में पहुंचे

जकार्ता, 21 जनवरी। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने यहां चीनी ताइपे के चेन झी रे और लिन यू चीह की जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में जीत के साथ इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। एशियाई खेलों की चैम्पियन भारतीय जोड़ी ने अपने शुरुआती मैच में विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर मौजूद चेन और लिन की जोड़ी को 21-16 21-15 से हराया।

सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी पिछले दो सप्ताह में दो सेमीफाइनल (मलेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750) खेल चुकी है। विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की महिला युगल जोड़ी ने ओरनिचा जोंगसथापोर्नपार्न और सुकित्ता सुवाचाई की थाईलैंड की जोड़ी को 21-6 21-14 से हराया। सात्विक और चिराग की विश्व की पूर्व नंबर एक पुरुष युगल जोड़ी का अगला मुकाबला इंडोनेशिया के रेमंड इनरा और पात्रा हरपन रिंडोरिंडो की जोड़ी और थाईलैंड के किटिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुवारानुक्रोह की जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

पिछले महीने गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली अश्विनी और तनीषा की जोड़ी का अगला मुकाबला मलेशिया की पेई की गो और मेई जिंग तेओह से होगा।

गॉफ को हराकर बडोसा ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में

मेलबर्न, 21 जनवरी। स्पेन की टेनिस खिलाड़ी पाउला बडोसा ने मंगलवार को दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह अपने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंची हैं। आज यहां रॉड लेवर एरेना में खेले गये क्वार्टरफाइनल मुकाबले में स्पेन की बडोसा ने अमेरिका की गॉफ को सीधे सेटों में 7-5, 6-4 से हराया। मैच के दौरान गौफ ने चार ऐस तथा बैडोसा ने तीन ऐस लगाए। गॉफ ने छह तथा बैडोसा चार डबल फॉल्ट किये। इस जीत के साथ बडोसा ग्रैंड स्लैम महिला एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी स्पेनिश खिलाड़ी बन गयी हैं। बडोसा ने कहा, आज मैं यहां आकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती थी और मुझे लगता है कि मैंने ऐसा किया।

पॉल को हराकर एलेक्जेंडर ज्वेरेव ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में:- जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मंगलवार को अमेरिका के टॉमी पॉल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। यह एक दशक में तीसरी बार है जब ज्वेरेव ने इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। आज यहां ज्वेरेव ने तीन घंटे और 22 मिनट तक चले मुकाबले में अमेरिका के टॉमी पॉल पर 7-6, 7-6, 2-6, 6-1 से जीत दर्ज की।

भजनलाल शर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष की कुशलक्षेम जानी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को एसएमएस अस्पताल पहुंचे। उन्होंने वहां विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम जानी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने देवनानी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

देवनानी ने उन्हें स्वास्थ्य लाभ हेतु मिली अपार शुभकामनाओं के लिए सभी लोगों का आभार ज्ञापित किया है। देवनानी का हाल जानने के लिए एसएमएस अस्पताल में दिनभर जनप्रतिनिधि और आमजन का तांता लगा रहा। देवनानी ने कहा कि पटना (बिहार) में आयोजित 85वे पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान सोमवार 20 जनवरी को उन्हें एसिडिटी के कारण असहजता महसूस हुई थी। पटना में प्राथमिक उपचार के बाद सोमवार को ही सांय विशेष विमान से जयपुर पहुंचकर सवाई मानसिंह चिकित्सालय, जयपुर के वरिष्ठ एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किये गये उपचार के दौरान उनकी सभी आवश्यक मेडिकल जांचे सामान्य आई है।

विधानसभाध्यक्ष ने कहा है कि अब उनके स्वास्थ्य में सुधार है। वे स्वयं को स्वस्थ महसूस कर रहे है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री गण और मंत्रिगण सहित अन्य प्रदेशो के विधान सभा अध्यक्षगण सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण, अजमेर जिले के आमजन और उनके पहचान वाले लोगों को शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया है। सवाई मानसिंह चिकित्सालय के चिकित्सकगण और नर्सिंग कर्मियों का उनके उपचार में दिए गए सहयोग के लिए देवनानी ने आभार जताया है। देवनानी का हाल जानने के लिए दिनभर प्रदेश भर के लोगों का तांता लगा रहा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी सहित मंत्रिमंडल के सदस्यगण और पक्ष व प्रतिपक्ष के अनेक विधायक ने अस्पताल पहुंचकर देवनानी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। अजमेर जिले से सैकड़ो की संख्या में जन प्रतिनिधीगण और आमजन ने जयपुर पहुंचकर देवनानी के हाल पूछे। सुबह से ही प्रदेश भर के हजारों लोगों ने देवनानी के हाल जानने के लिए उनके मोबाइल पर फोन किये।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को एस.एम.एस. अस्पताल में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

- **देवनानी का हाल जानने के लिए लोगों का दिन भर लग रहा तांता**

डोटासरा गजनी अंकल बन गए है, 13 महीने पहले हुए वोट पर चोट का इतिहास भूल गए हैं : के.के. विश्नोई

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई ने मीडिया बयान देते हुए कहा कि भजनलाल सरकार को लगभग एक वर्ष पूर्ण हो गया है और इस एक वर्ष में ऐसे-ऐसे ऐतिहासिक निर्णय हुए हैं जो पिछले 80 वर्षो में कभी नहीं हुए। पहली बार 4 लाख 90 हजार करोड़ का बजट जारी किया गया और धरातल पर लाने के लिए लगातार प्रभारी मंत्रियों, सचिवों के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वयं मॉनिटरिंग की और बजट में गरीब, महिला, युवा, किसान चारों वर्गो का ध्यान रखा गया।

मुख्यमंत्री ने पहले ही वर्ष राइजिंग राजस्थान जैसे ऐतिहासिक कार्यक्रम को साकार रूप देते हुए देश-विदेश से निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए बुलाया। राइजिंग राजस्थान का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों से होना और 35 लाख करोड़ का निवेश होना आधुनिक डिजिटल युग और राजस्थान के विकास का ऐतिहासिक उदाहरण है। निवेश धरातल पर उतरे इसके लिए निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है।

के.के. विश्नोई ने कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता लगातार अनर्गल बयानबाजी करने में लगे हुए है तथा

- **'एक वर्ष में ऐसे-ऐसे ऐतिहासिक निर्णय हुए है जो पिछले 80 वर्षो में कभी नहीं हुए'**

मुख्यमंत्री के लिए अशब्दों का इस्तमाल करना, झूठे बयान देना इनका प्रतिदिन का काम बन गया है। कोई तथ्यात्मक बात इनके बयानों में नहीं होती है ये सिर्फ झूठ बोलकर जनता को भ्रमित करना चाहते हैं। के के विश्नोई ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा गजनी अंकल बन गए हैं। उन्हें शॉर्ट टर्म मेमोरी लोस के कारण 13 महीने पहले हुए वोट पर चोट का इतिहास याद नहीं है। परंतु राजस्थान की जनता समझदार है और इसी का परिणाम है कि उपचुनाव में राजस्थान की समझदार जनता ने सात में से एक नम्बर दिया और इनके झूठे वादों और खोखली घोषणाओं को फेल साबित कर दिया। के.के विश्नोई ने बताया कि भाजपा की सरकार में नौकरियों की लगातार बौछार हो रही हैं, अब बिना पेपर लीक हुए 110 से भी ज्यादा परीक्षाएं बिना व्यवधान के आयोजित हो चुकी हैं। युवा वर्ग अब समझ चुका है की भजनलाल सरकार में पेपरलीक करने वालों की दाल गलने वाली नहीं है और भजनलाल सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर कटिबद्ध है और किसी भी हालत में पेपर-लीक सरगानाओं को नहीं बख्शा जाएगा।

राज्यपाल ने वरूर में महामस्तकाभिषेक समारोह में भाग लिया

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को कर्नाटक के वरूर में स्थापित भगवान पार्श्वनाथ की अखंड प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक समारोह में भाग लिया।

इस दौरान उन्होंने देश में तीर्थंकरों की महान परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्श्वनाथ तीर्थंकर का महामस्तकाभिषेक हमें सत्य और जीवन से जुड़े नैतिक मूल्यों पर चलने की प्रेरणा देने वाला है। उन्होंने कहा कि तीर्थंकरों ने त्याग और अपरिग्रह के सिद्धान्तों के आदर्श स्थापित कर जीवन के उदात्त मूल्यों का प्रसार किया है। बागडे ने भारतीय संविधान की मूल प्रति में ध्यानस्थ मुद्रा में बैठे हुए वर्धमान महावीर के चित्रांकन की चर्चा करते हुए कहा कि जैन धर्म जिन शब्द से जुड़ा है। इसका अर्थ है, विजेता।

शहीद सतीश कुमार स्वामी को नम आंखों से अंतिम विदाई दी

सेना के जवान, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने पुष्पचक्र अर्पित किये

सादुलपुर, (निसं)। चूरू जिले के उपखण्ड क्षेत्र राजगढ़ के गांव ठिमाऊ बड़ी निवासी भारतीय सेना के जवान सतीश कुमार स्वामी शहीद हो गए। वहीं मंगलवार शाम को शहीद को सैनिक सम्मान के साथ नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। इसी दौरान समूचे गांव में दिनभर सन्नाटा सा पसर रहा।

जवान सतीश कुमार स्वामी 19 जनवरी की रात को द्रास ग्लेशियर में पेट्रोलिंग करते शहीद हो गये थे, जो अविवाहित थे। मंगलवार सुबह आठ बजे के लगभग शहीद का पार्थिव शरीर सेना के अधिकारी लेकर शहीद स्मारक राजगढ़ पहुंचे, जहां से तिरंगा यात्रा निकालते हुए गांव ठिमाऊ बड़ी में पहुंचे तो समूचे गांव में नारों से आसमान गूंजायमान हो उठा। हर कोई नम आंखों से परिवार जनों को सांत्वना दे रहे थे। सेना के जवान, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने उनके पार्थिव शरीर पर तिरंगा अर्पित कर पुष्पचक्र एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा सेना जवानों ने शव यात्रा प्रारंभ होने से पहले शहीद को कंधा देकर अंतिम यात्रा शुरू की। यात्रा के दौरान गांव ठिमाऊ बड़ी ही नहीं बल्कि आसपास के गांवों के लोग पहुंचे थे। वहीं मोक्ष भूमि में जवानों ने मातमी धुन बजाकर शहीद सतीश कुमार स्वामी को गार्ड ऑफ ऑनर पेश कर शहीद को अंतिम विदाई दी गई। शहीद के भाई रविन्द्र स्वामी ने नम आंखों से मुखाग्नि दी।

इसी दौरान चूरू लोकसभा सांसद राहुल कस्वा, पंचायत समिति प्रधान विनोद देवी पूनियां, विधानसभा प्रत्याशी भाजपा नेत्री सुमित्रा पूनियां, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन दिलीप सिंह राठौड़, एएसपी किशोरी लाल, आईपीएस निश्चय प्रसाद एम, राजगढ़ सीआई राजेश कुमार सिहाग, तहसीलदार धीरज झाझड़िया, जोगेन्द्र झाझड़िया, पूर्व सैनिक संघ राजगढ़ के अध्यक्ष जगत सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मवीर सुलखणिया, कृष्ण भाकर, ठिमाऊ सरपंच रीना, सांखणताल सरपंच विनोद मीणा, नोरंगपुरा सरपंच, पूर्व सरपंच दीपचन्द, मेजर सुबेदार सुभाषचन्द्र चाहर, हमीरवास सीआई जयकुमार भादू, सीएलजी सदस्य शुभराम स्वामी सहित रणवीर आदि ने शहीद सतीश कुमार स्वामी को श्रद्धांजलि अर्पित की। जानकारी के अनुसार गांव ठिमाऊ बड़ी में बुधराज स्वामी के घर जन्मे सतीश कुमार स्वामी का जन्म 19 जून 1996 को हुआ था, शहीद सतीश कुमार स्वामी 5 गोरखा राईफल रेजीमेंट फ्रंटियर फोर्स में 17 जून 2019 को भारतीय सेना में भर्ती हुए थे।

भाजपा नेत्री सुमित्रा पूनियां ने शहीद सतीश कुमार स्वामी को पुष्पचक्र अर्पित किये।

- शहीद सतीश कुमार स्वामी को गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी

ओपन जेल के कैदी ने लूट की वारदात अंजाम दी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित जोधड़ास चौराहे के नजदीक एक होटल संचालक को बीती रात बाइक से आये दो बदमाशों ने आंखों में मिर्च झौंककर मांदलिया लूट लिया और विरोध करने पर चाकू से हमला कर बदमाश बाइक से भाग छूटे। जिनका लोगों ने पीछा किया तो वे बाइक सहित जिला जेल में घुस गये। सूचना पर डीएसपी सहित दो थानों की पुलिस जेल पहुंची तो सामने आया कि लूट की वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी ओपन जेल का कैदी था, जिसे प्रोडक्शन वारंट के तहत गिरफ्तार करने की तैयारी चल रही है।

- लोगों ने लुटेरो का पीछा किया तो वे बाइक सहित जिला जेल में घुस गये थे
- पुलिस जेल पहुंची तो सामने आया कि वारदात अंजाम देने वाला आरोपी ओपन जेल का कैदी था

जानकारी के अनुसार, मालोला चौराहा क्षेत्र निवासी मांगीलाल गुर्जर जौधड़ास चौराहा क्षेत्र में चाय की होटल चलाते हैं। गुर्जर बीती रात होटल पर ही थे। इसी दौरान टीवीएस बाइक से दो बदमाश होटल पर पहुंचे। दोनों नकाबपोश थे और शराब पीये हुये थे। इन बदमाशों ने मांगीलाल से गुटखा लिया, जिसके पैसे भी उन्हें दे दिये। इसके बाद इन बदमाशों ने मांगीलाल के गले में पहने मांदलिया पर झपट्टा मारा और चाकू से हमला किया। मांगीलाल ने चाकू पकड़ लिया, जिससे उसकी अंगुलियां जख्मी हो गई।

इसी दौरान मांगीलाल का पड़ौसी वहां आया तो उसे भी बदमाशों ने चाकू दिखाया। इसके बाद कुछ लोगों ने भागते बदमाशों का पीछा किया तो दोनों अजमेर चौराहा से परशुराम सर्किल होते हुये बाइक सहित जेल में जा घुसे। पीछा कर रहे लोगों ने वारदात की जानकारी जेल स्टॉफ को दी। इसके बाद पुलिस को मौके पर बुलवा लिया गया। डीएसपी सिटी मनीष बड़गुर्जर, कोतवाली व सुभाष नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई, तो जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने वाला ओपन जेल का किसी हरीश नायक और उसका एक साथी है। हरीश की भूमिका को लेकर सदर थाना पुलिस पीड़ित की रिपोर्ट पर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर रही है। हरीश पर लगे आरोपों की पुष्टि के बाद उसे प्रोडक्शन वारंट के तहत लूट के इस मामले में जेल से गिरफ्तार किया जा सकता है।

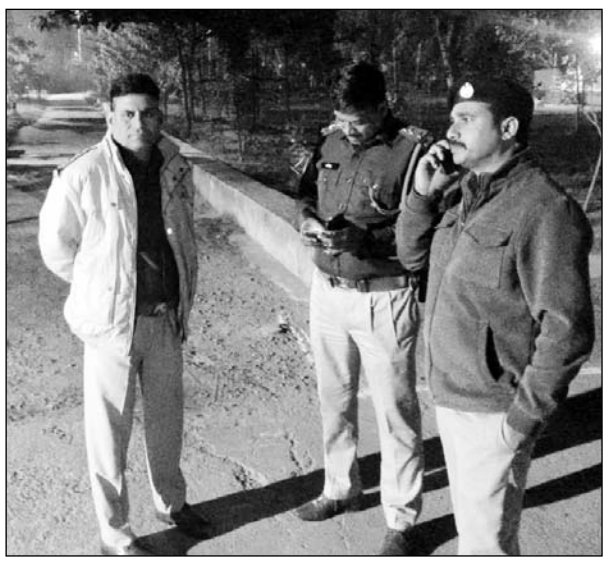

सूचना पर डीएसपी सहित दो थानों की पुलिस जेल पहुंची।

चित्रकार देवी श्री दीक्षित ने कलेक्टर को महाराणा प्रताप का तेल चित्र भेंट किया

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर की बाल चित्रकार देवी श्री दीक्षित ने वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की 428 वीं पुण्यतिथि पर ज़िला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल को उनके कार्यालय में अपना हस्त निर्मित तैल चित्र भेंट किया। देवी श्री दीक्षित द्वारा बनाए गए इस बहुरंगी चित्र में भाला लिए महाराणा प्रताप अपनी परंपरागत युद्ध पोशाक और मेवाड़ की आन, बान और शान की प्रतीक पगड़ी पहने दर्शाए गए हैं।

इस मुंह बोलती छवि में महाराणा प्रताप का घनी मूछे युक्त रोबीले व्यक्तित्व और सजीव आंखों ने चित्र को बहुत ही जीवंत बना दिया है। जिला कलेक्टर पोसवाल ने देवर्षि दीक्षित की नैसर्गिक चित्रकारी प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई, शुभकामनाएं और शुभाशीष देने के साथ ही उत्तरोतर प्रगति की कामना की।

उल्लेखनीय है कि सेंट मेरीज स्कूल उदयपुर की छात्रा देवी श्री दीक्षित भट्टियानी चोहट्टा निवासी उदयपुर के ज्योतिषाचार्य अरविन्द दीक्षित और शिक्षिका (एक निजी स्कूल की प्राचार्य) दीपा दीक्षित की पुत्री हैं। उसकी बचपन से ही चित्रकारी और अन्य सृजनात्मक कार्यों में गहरी रुचि रही है जिसके चलते वह इससे पहले भी कई अनूठे और बेजोड़ चित्र बना चुकी है।

नाबालिग लापता

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के फेफाना थाना क्षेत्र से एक 14 वर्षीय छात्रा के लापता होने का मामला सामने आया है। बिना किसी को बताए घर से निकली नाबालिग छात्रा का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। पीड़ित पिता, जो मजदूरी करके अपना जीवन-यापन करते हैं, ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी 9वीं कक्षा की छात्रा है। शाम करीब 5 बजे वह बिना कुछ बताए घर से चली गई। परिवार ने उसकी तलाश के लिए आस-पास के सभी संभावित स्थानों पर पता किया, लेकिन कहीं भी उसका कोई सुराग नहीं मिला।

रुपये नहीं देने पर बोलेरो में आग लगाई

शराब ठेके पर मासिक वसूली का मामला, दस्तावेज और नकदी भी चुराई

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के भादरा थाना क्षेत्र में शराब ठेके पर मासिक वसूली को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। शराब ठेके के हैल्पर अमित ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि कुलदीप गोस्वामी और फौजी नाम के व्यक्ति पिछले कुछ समय से 25 हजार रुपए मासिक वसूली की मांग कर रहे थे।

पीड़ित अमित ने बताया कि वह अनूपशहर में शराब ठेके पर हैल्पर का काम करता है। आरोपियों ने धमकी दी थी कि अगर पैसे नहीं दिए तो शराब ठेका नहीं चलने देंगे और बड़ा नुकसान पहुंचाएंगे। जब इस बारे में ठेकेदार सुभाष को बताया गया, तो उन्होंने मामले को सुलझाने का आश्वासन दिया। इस बीच कुलदीप गोस्वामी को आबकारी विभाग ने अवैध शराब बेचने के मामले में गिरफ्तार किया और भादरा थाने में अवैध पिस्तौल का मुकदमा भी दर्ज हुआ। इसके बाद आरोपियों ने अमित को फिर से धमकी दी कि ये मुकदमे उसकी शिकायत पर दर्ज हुए हैं। देर रात करीब दो बजे जब अमित ठेके के कार्यालय में सो रहा था, तब शीशे टूटने की आवाज सुनकर वह जागा। देखा कि कुलदीप गोस्वामी वहां खड़ा था और बोलेरो में आग लगी हुई थी। गाड़ी में रखे अमित के आधार कार्ड और पांच हजार रुपए भी चोरी कर लिए गए। भागते समय आरोपी ने फिर से धमकी दी कि या तो मासिक वसूली दो या और बड़े नुकसान के लिए तैयार रहो। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान हैड कॉन्स्टेबल राजेन्द्र सिंह के सुपुर्द किया है।

बैंक में हुई लूट का खुलासा

हिंडौन सिटी, (निसं)। रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थित पंजाब नेशनल बैंक में हुई 10.75 लाख रुपए की लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने दो आरोपियों से 8,93,500 रुपए बरामद किए हैं। इसके साथ ही वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार और बाइक भी जब्त कर ली गई है। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह के अनुसार, पहले आरोपी ओमप्रकाश गुर्जर के घर से 7,98,500 रुपए और दूसरे आरोपी विष्णु कोली के घर से 95 हजार रुपए बरामद हुए। आरोपियों से एक देशी पिस्टल, 11 जिंदा कारतूस, एक 12 बोर का देशी कट्टा और 2 जिंदा कारतूस भी मिले हैं। साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की बाइक भी बरामद की गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था और पूछताछ जारी है।

- 8.93 लाख रुपए बरामद किये

क्षेमा ने 200 करोड़ का भुगतान किया

जयपुर। क्षेमा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत राजस्थान में लगभग 200 करोड़ रुपए के दावों का भुगतान किया। इन दावों का लाभ श्री गंगानगर, अलवर और बुंदी जिलों के किसानों को मिला है। क्षेमा ने कदाचार पर अंकुश लगाने के लिए पीएमएफबीवाई के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए दावों का भुगतान समयबद्ध तरीके से किया, जिसका उद्देश्य वास्तविक दावों वाले किसानों को लाभ पहुँचाना था। फसल निगरानी प्रक्रिया पर अपनी बात रखते हुए, कुमार सौरभ, क्षेमा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के चीफ रिस्क ऑफिसर ने कहा कि हमने श्री गंगानगर, बुंदी और अलवर के किसानों को उनके फसल नुकसान के लिए पीएमएफबीवाई के तहत लगभग 200 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया है। हमें गर्व है कि हम सरकार के पीएमएफबीवाई दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करते हैं, जो यह सुनिश्चित करता है कि हम सभी वास्तविक दावों का निपटान करें और किसानों तक पैसा तब पहुंचे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता हो। मैं इन जिलों के किसानों से निवेदन करता हूं कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर फसल निगरानी प्रक्रिया को पूरा करने में हमारा उत्साहपूर्वक सहयोग करें, ताकि यदि उनकी फसल को नुकसान होता है, तो हम उनके दावों को प्रोसेस कर सके।

एफएमजी दिसंबर-24 परीक्षा के नतीजे घोषित

अजमेर, (कासं)। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने दिसंबर सत्र की फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। करियर काउंसलर विकास छाजेड़ ने बताया कि एफएमजीई दिसंबर 2024 सत्र की परीक्षा जो कि 12 जनवरी 2025 को हुयी थी उसका परिणाम आधिकारिक वेबसाइट पर घोषित हो गया है। परीक्षा में 45552 परीक्षार्थी बैठे थे, जिसमें से 13149 विद्यार्थी ने परीक्षा पास की एवं 31236 परीक्षार्थी असफल रहे। वहीं 7 परीक्षार्थी जिनके फेस आईडी या दस्तावेज का सत्यापन अभी लंबित है, उनके परिणाम रोक दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि एफएमजीई परीक्षा के माध्यम से विदेश से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों को भारत में यह परीक्षा पास करने पर डॉक्टर बनने की पात्रता प्रदान की जाती है।

5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन शुरू

आवेदन की अंतिम तिथि 5 फरवरी निर्धारित की गई है

बीकानेर, (निसं)। राज्य के सरकारी और निजी स्कूलों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं की आठवीं और पांचवी बोर्ड परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन 20 जनवरी से शुरू हो गए हैं। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा राजस्थान बीकानेर ने इस संबंध में दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए 17 दिन का समय दिया गया है। आवेदन की अंतिम तिथि 5 फरवरी निर्धारित की गई है।

समस्त सरकारी और निजी स्कूलों सहित संस्कृत विद्यालय एवं मदरसों के संस्था प्रधान शाला दर्पण पोर्टल के जरिए नियमित विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तक भर सकेंगे। पांच फरवरी के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी ने सभी संस्था प्रधानों को निर्देश दिए हैं कि आठवीं और पांचवीं में अध्यनरत सभी विद्यार्थियों की सूचनाएं स्कूल अभिलेख के मुताबिक भरी जाएं। निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ऑनलाइन परीक्षा आवेदन किए जाने से संबंधित किसी भी प्रकार की दुविधा होने की स्थिति में संबंधित जिले की डाइट अथवा ब्लॉक के सीबीईओ कार्यालय में संपर्क किया जा सकेगा। आठवीं बोर्ड की परीक्षाएं 10वीं बोर्ड के साथ होगी, जबकि पांचवीं के विद्यार्थियों की मुख्य परीक्षाएं अप्रैल माह में होने की संभावना है।

अनूपगढ़ रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ चौकी बंद

अनूपगढ़, (निसं)। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। कुछ महीने पहले आरपीएफ चौकी बंद कर स्टाफ का स्थानांतरण कर दिया गया, जिसके बाद से चोरी और जेबकतरी की घटनाएं तेजी से बढ़ी है। पिछले तीन महीने (नवंबर से जनवरी) में स्टेशन परिसर से पांच मोटरसाइकिलें चोरी हो चुकी है और कई यात्रियों की जेबें कट चुकी है। रोजाना अनूपगढ़ से सूरतगढ़ की यात्रा करने वाले नरेश कुमार ने बताया कि पहले वे अपनी बाइक स्टेशन पर सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक सुरक्षित पार्क कर सकते थे, लेकिन अब यात्रियों को छोड़ने या लेने आने वाले लोगों की बाइक कुछ ही मिनटों में चोरी हो जाती है। रेल विकास समिति के संरक्षक गंगाविशन सेतिया के ने बताया कि अब असामाजिक तत्व चंद मिनटों में ही अपराध को अंजाम दे रहे हैं। लाखों की लागत से बना चौकी का भवन भी खंडहर होने की कगार पर है।

ट्रेलर के केबीन में आग लगी

चौमू/कालाडेरा, (निसं)। मंगलवार दोपहर को एनएच-52 पर स्थित टांटीयावास टोल प्लाजा के पास एक ट्रेलर के केबीन में अचानक आग लग गई। लगते ही ट्रेलर के ड्राइवर व खलासी ने कूदकर अपनी जान बचाई, आग लगने के कारण ट्रेलर धूं-धूं कर जलने लगा। आसमान में काला धूआं के गुबार छा गये।

आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर चौमू थाना अधिकारी प्रदीप शर्मा मय पुलिस जाप्ता घटना स्थल पहुंचे। वहीं चौमू नगर परिषद की दो दमकल घटना स्थल पर पहुंची व दमकलकर्मियों ने ट्रेलर में लगी आग को पानी की सहायता से बुझाया। टोल कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए टोल की लाइनों को बन्द कर वाहनों को रोका और तत्काल पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों को सूचना दी, जिसके कारण एक बड़ा हादसा होने से बच गया।

आग लगने के कारण ट्रेलर धूं-धूं कर जलने लगा।

त्रिलोक ने मिट्टी से बाबा साहेब की मूर्ति बनाई

अजमेर/बान्दनवाड़ा, (कासं)। अजमेर जिले के निकटवर्ती ग्राम नांदसी निवासी मूर्तिकार त्रिलोक रेदास ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी सुनील कुमार झिंगोनिया को अपने हाथों से मिट्टी से बनाई गई संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति भेंट की। मूर्तिकार त्रिलोक ने बताया कि उनके द्वारा भारत के महापुरुषो की हू-ब-हू मुर्तिया बनाई गई है। इन मूर्तियों कों बनाने के लिए स्थानीय तालाब की मिट्टी से तैयार कर बिना किसी मशीन के उपयोग किए अपने हुनूर से मुर्तिया बनाई गयी है। ग्रामीणों ने बताया कि इस मूर्ति कलाकार ने अपनी गरीब परिस्थिति में बिना किसी प्रशिक्षण व ट्रैनिंग के हू-ब-हू मूर्तिया बनाने की कला कौशल सीखा है। ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी से ग्रामीण क्षेत्र के इस मूर्तिकार को सम्मानित कर पुरस्कार दिलाने की मांग की है।

भटिंडा से सूरतगढ़ रूट पर चलने वाली ट्रेन के समय में बदलाव

अनूपगढ़, (निसं)। भटिंडा से सूरतगढ़ रूट पर चलने वाली ट्रेन के समय में किए गए बदलाव ने यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गाड़ी संख्या 59720 पहले भटिंडा से दोपहर 2:20 बजे रवाना होकर शाम 5:50 बजे सूरतगढ़ पहुंचती थी, लेकिन अब इसका समय बदलकर दोपहर 1 बजे कर दिया गया है। इस बदलाव के कारण ट्रेन सूरतगढ़ में 4:50 बजे पहुंचकर सवा घंटे तक वहीं खड़ी रहती है, जिससे यात्रियों को अनावश्यक प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

समय परिवर्तन का सबसे बड़ा नुकसान हनुमानगढ़ में होने वाले दो ट्रेनों के क्रॉसिंग की सुविधा खत्म होना है। इससे सादुलपुर, नोहर और भादरा से आने वाले यात्री प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अब मजबूरन बसों का सहारा लेना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर अनूपगढ़ रेल विकास समिति ने उत्तर-पश्चिम रेलवे मंडल, बीकानेर के मंडल प्रबंधक से हस्तक्षेप की मांग की है।

समिति के पदाधिकारी गंगाबिशन सेतिया, जालंधर सिंह तूर, अवतार सिंह, सरबजीत सिंह, ओम चुघ और सुखविंदर सिंह मक्कड़ ने बताया कि पहले की व्यवस्था में ट्रेन सूरतगढ़ से शाम 6:10 बजे अनूपगढ़ के लिए रवाना होती थी, जो यात्रियों के लिए सुविधाजनक था। समिति ने ट्रेन का समय पुरानी व्यवस्था के अनुसार दोपहर 2:20 बजे करने की मांग की है, ताकि यात्रियों को होने वाली परेशानियों से निजात मिल सके और रेल सेवा का बेहतर उपयोग हो सके। सादुलपुर-हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर अब 4:15 बजे हनुमानगढ़ पहुंचती है, जबकि गाड़ी संख्या 59720 इससे पहले ही रवाना हो जाती है। इससे सादुलपुर, नोहर और भादरा से आने वाले यात्री अब बसों पर निर्भर हो गए हैं। समिति ने यात्रियों की सुविधा के लिए पुराना समय बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि यह परिवर्तन उनके यात्रा अनुभव को कठिन बना रहा है।

- यात्रियों को करना पड़ रहा डेढ़ घंटे का इंतजार, दो ट्रेनों के क्रॉसिंग की सुविधा भी खत्म

हत्या की वारदात के तीन आरोपी गिरफ्तार

जमीनी विवाद में पड़ौसी के साथ जाने से दोनों पक्षों की आपसी लड़ाई के दौरान हुई थी हत्या

ब्यावर, (निसं)। जघन्य अपराध हत्या की वारदात के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले में अग्रीम जांच कर रही है। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं वृत्ताधिकारी वृत्त जैतारण के निकट सुपरविजन में धानाधिकारी पुलिस थाना बर राजदिपेन्द्र सिंह उप निरीक्षक मय टीम द्वारा जघन्य अपराध हत्या की वारदात के आरोपी भगवानसिंह, मोकमसिंह, शैतानसिंह को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार 11 जनवरी को गजेन्द्र सिंह ने रिपोर्ट देते हुए बताया कि 10 जनवरी की रात्रि करीब 10-11 बजे तक मेरा लड़का अजीत चौधरी घर नहीं आने पर पूछताछ की तो पता चला कि हमारे पड़ोसी जयसिंह, उसकी माता रामा देवी अन्य लड़कों के साथ मेरे लड़के को लेकर ब्यावर की तरफ गये। रात्रि में तलाश करता हुआ मैं व मेरे परिवारजन ब्यावर पहुँचे तो पता चला कि मेरे लड़के की मौत हो गई है। पूछताछ से जानकारी मिली कि रात्रि में काया भीला गांव में जयसिंह व उसके मामा शैतानसिंह, मोखम सिंह, भवानी सिंह के जमीन संबंधी विवाद होने से इन दोनों पक्षों के आपस में लाठियां, धारदार हथियार तथा चाकू आदि से शैतान सिंह, भवानी सिंह, मोखमसिंह व इनके परिवार के अन्य सदस्य महिला द्वारा मारपीट की गई जिससे मेरे लड़के के चोट आई, जिससे उसकी मौत हो गई। मेरे लड़के की मौत दोनों पक्षों के लड़ाई झगड़ों में हुई है।

प्रकरण दर्ज कर अपराध की गम्भीरता को मध्य नजर रखते हुए आरोपियों की तलाश हेतु थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया जाकर तलाश शुरू की गई। घटना की कड़ी से कड़ी जोड़कर नामजद आरोपी भगवानसिंह, मोकमसिंह, शैतानसिंह से पूछताछ की गई तो आरोपियों द्वारा हत्या करना स्वीकार किया, जिस पर आरोपीयों को गिरफ्तार किया जाकर जांच जारी है।राजदिपेन्द्र सिंह उप निरीक्षक थानाधिकारी की पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल सुलतानसिंह कांस्टेबल महिपाल, हनुमान सहाय, मुलचन्द, कालुराम, सुभाष, घनश्याम और महिला कांस्टेबल नैना थे।

पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अनूपगढ़ रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ चौकी बंद

अनूपगढ़। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। कुछ महीने पहले आरपीएफ चौकी बंद कर स्टाफ का स्थानांतरण कर दिया गया, जिसके बाद से चोरी और जेबकतरी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। पिछले तीन महीने (नवंबर से जनवरी) में स्टेशन परिसर से 5 मोटरसाइकिल चोरी हो चुकी हैं और कई यात्रियों की जेबें कट चुकी हैं।

रोजाना अनूपगढ़ से सूरतगढ़ की यात्रा करने वाले नरेश कुमार ने बताया कि पहले वे अपनी बाइक स्टेशन पर सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक सुरक्षित पार्क कर सकते थे। लेकिन अब यात्रियों को छोड़ने या लेने आने वाले लोगों की बाइक कुछ ही मिनटों में चोरी हो जाती है।

रेल विकास समिति के संरक्षक गंगाविशन सेतिया के ने बताया कि अनूपगढ़ से खाजूवाला तक के यात्री यहां से यात्रा करते हैं। पहले आरपीएफ जवान टिकट काउंटर पर लाइनों को व्यवस्थित करने में मदद करते थे, जिससे जेबकतरी की घटनाएं नहीं होती थीं। लेकिन अब असामाजिक तत्व चंद मिनटों में ही अपराध को अंजाम दे रहे हैं। लाखों की लागत से बना चौकी का भवन भी खंडहर होने की कगार पर है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बीकानेर का विकास तभी होगा जब किसान उच्च तकनीक से खेती करेंगे : व्यास

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को ''सुनियोजित कृषि तकनीकें'' विषय पर सात दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विदित है कि कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के सुनियोजित खेती विकास केंद्र द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय सुनियोजित कृषि और बागवानी समिति द्वारा प्रायोजित यह प्रशिक्षण 21 से 27 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 किसान हिस्सा ले रहे हैं।

बीकानेर में सुनियोजित कृषि तकनीके विषय पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम को बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने सम्बोधित किया।

■ **प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 किसान हिस्सा ले रहे हैं।**

मानव संसाधन निदेशालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि बीकानेर का विकास तभी होगा जब किसान उच्च तकनीक से खेती करेंगे। कृषि के साथ साथ उद्योग और व्यापार का विकास होगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी अब पढ़ लिख गई तो खेती का काम उन्हें अच्छा नहीं लगता। लेकिन पढ़ी लिखी युवा पीढ़ी को उच्च तकनीक खेती करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बीकानेर में कृषि अभियांत्रिकी कॉलेज खोलने की मांग इस बार कृषि बजट में ही पूरी करवाने की पूरी कोशिश की जाएगी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि किसान यहां से जो भी तकनीक सीख कर जाएं,उसे खेत में अपनाएं। ताकि अन्य किसान भी उसे देखकर उन्नत किसान बन सके। किसान अगर खेती में उच्च तकनीक का इस्तेमाल करेंगे तो बेहतरीन खेती कर सकेंगे। किसान खुशहाल होगा तो देश की तरक्की में भागीदार बनेगा। वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने कहा कि जनसंख्या बढ़ने के साथ कृषि जोत कम होती जा रही है। लिहाजा उच्च तकनीक खेती से ही किसान तरक्की कर सकेगा। आगामी कृषि बजट में बीकानेर में कृषि अभियांत्रिकी कॉलेज खोलने की मांग उन्होंने विधायक के सामने रखी।

अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि आज किसानों को डेटा आधारित हाई-फाई खेती करने की आवश्यकता है। अंधाधुंध यूरिया, डीएपी और पेस्टीसाइड के इस्तेमाल के बजाय कंप्यूटर आधारित ऑटोराइजेशन अपनाना बहुत जरूरी है। नई दिल्ली से वीसी से जुड़े कृष्ण कौशल ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को राज्य सरकार और केंद्र सरकार की कृषि से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के साथ साथ खेती की उच्च तकनीक की विभिन्न विधाओं की जानकारी दी जाएगी। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने कार्यक्रम के शुरुआत में बताया कि लो टनल खेती, पॉली हाउस, एग्रो नेट हाउस इत्यादि के जरिए किसान विभिन्न सब्जियों की अगेती खेती कर दुगुने, तिगुने भाव में सब्जियां बेच सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक इंजीनियर जे.के गौड़ ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित पीएफडीसी सेंटर की स्थापना 1998 में की गई थी। ये राजस्थान का एकमात्र सेंटर है। उन्होने कहा कि किसानों को प्रशिक्षण में हरित गृह, बूंद-बूंद सिंचाई, ड्रोन, लो टनल समेत कृषि की विभिन्न उच्च तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

कार्यक्रम के आखिर में कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ एच.एल.देशवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। खाजूवाला से आए किसान नरेश प्रजापत व झझू से आए किसान सरवर अली ने कहा कि किसान 25 बीघा जमीन में होने वाली इनकम उच्च तकनीक खेती के जरिए मात्र एक बीघा से ले सकता है।

सार-समाचार

16 दिव्यांग छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में डाला

बीकानेर। विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित पाबूपाठशाला को आर्य समाज स्कूल में मर्ज करने के फैसले ने 61 दिव्यांग छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। इस फैसले से चिंतित अभिभावक अपने बच्चों को लेकर प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय पहुंचे, जहां उन्होंने स्कूल को यथावत रखने की मांग की। लेकिन अधिकारियों के अनुपस्थित रहने के कारण वे निराश लौटने को मजबूर हो गए।अभिभावकों का कहना है कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाओं और अनुकूल वातावरण से युक्त इस स्कूल का विलय उनके बच्चों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। इनमें से कई बच्चे ऐसी विशेष आवश्यकताओं वाले हैं, जिन्हें सामान्य स्कूलों में पढ़ाई करने में कठिनाई होगी।अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि इस फैसले को वापस लिया जाए और पाबूपाठशाला को उसकी वर्तमान स्थिति में बनाए रखा जाए। उनका कहना है कि यदि यह फैसला जल्द नहीं बदला गया, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। शिक्षा विभाग ने आदेश से पहले स्कूल की जमीनी हकीकत भी नहीं देखी जिस जगह स्कूल का एकीकरण किया है वहां रेंप भी नहीं है। अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग इस गंभीर मुद्दे पर क्या निणर्य लेता है और क्या दिव्यांग बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहेगा या नहीं।

दूध के सैम्पल एकत्रित

हनुमानगढ़। जिला कलक्टर कानाराम के निर्देशन में जिले में 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा दल ने मंगलवार को पल्लू क्षेत्र में दूध विक्रेताओं से दूध के सैम्पल संग्रहित किए। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि राज्य स्तर से मिले निर्देशों एवं जिला कलक्टर कानाराम के निर्देशन में 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत मंगलवार को पल्लू क्षेत्र में दूध विक्रय करने वालों से दूध के सैम्पल एकत्र किए गए। उन्होंने बताया कि एफएसओ मोहम्मद रफीक ने पल्लू में मै. वाणी मिल्क प्रोडूसर से गाय का दूध, दूध व्हीकल पिकअप आरजे-31-9 बी-1826 के चालक नरेन्द्र कुमार से गाय का दूध, दूध व्हीकल पिकअप आरजे-31-जीए-5141 के चालक मनोहरलाल से गाय का दूध, दूध व्हीकल पिकअप नं. आरजे-07-जीएस-1560 के चालक आरिफ खान से गाय का दूध, लोटस डेयरी प्रोडक्ट्स प्रा.लि. से गाय का दूध, दूध व्हीकल पिकअप आरजे-19-जीबी-3316, बेगाराम से गाय का दूध, अमन होटल से दही के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रफीक मोहम्मद, सहायक कर्मचारी हीरावल्लभ, गार्ड भंवरसिंह एवं वाहनचालक गुरुसरणसिंह मौजूद रहे। दूध व्यवसाइयों को साफ एवं स्वच्छ बर्तन में दूध एकत्र कर वितरण करने के लिए भी पाबंद किया गया।

9 वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा लापता

हनुमानगढ़, जिले के फेफाना थाना क्षेत्र से एक 14 वर्षीय छात्रा के लापता होने का मामला सामने आया है। बिना किसी को बताए घर से निकली नाबालिग छात्रा का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। पीडित पिता, जो मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते हैं, ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी 9वीं कक्षा की छात्रा है। शाम करीब 5 बजे वह बिना कुछ बताए घर से चली गई। परिवार ने उसकी तलाश के लिए आस-पास के सभी संभावित स्थानों पर पता किया, लेकिन कहीं भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। फेफाना पुलिस ने पिता की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच एएसआई ओमप्रकाश को सौंपी गई है। पुलिस नाबालिग छात्रा की तलाश में जुटी हुई है और विभिन्न दिशाओं में छानबीन कर रही है।

गोबल इन्वेस्टमेंट समिट के एमओयू की प्रगति की समीक्षा

श्रीगंगानगर। राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के अन्तर्गत जिला स्तर व विभाग स्तर पर सम्पादित एमओयू की प्रगति की समीक्षा व निवेशकों को आ रही बाधाओं के समाधान तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित के लिए जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जिला कलक्टर द्वारा समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे राईजिंग राजस्थान के विजन को साकार करने के लिए निवेशकों को हर संभव सहायता प्रदान करें और विकास की प्रक्रिया को तेज करें। जिला कलक्टर ने विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग व्यक्तिगत रूप से निवेशकों से संपर्क करें। उनकी समस्याओं को समझकर उनका त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण करें तथा प्रोजेक्ट हेतु आवश्यक सरकारी स्वीकृतियों एवं अनुमतियों को प्राथमिकता के आधार पर जारी किया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती रीना, जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक हरीश मित्तल, संयुक्त निदेशक मार्केटिंग बोर्ड शिव सिंह भाटी,वी. आई परिहार, अधीक्षण अभियन्ता जो.वि.वि.नि.लि., डॉ. चरणजीत सहायक निदेशक आयुष विभाग, धीरज पंवार खनन अभियन्ता, मुकेश मेहता अतिरिक्त सीएमएचओ, सुरेन्द्र कुमार जिला खेल अधिकारी, सज्जन कुमार सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रीको, पवन शर्मा वरिष्ठ प्रबंधक केन्द्रीय सहकारी बैंक आदि उपस्थित हुए।

सड़क सुरक्षा विषय पर काव्य गोष्ठी 24 को

बीकानेर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को शाम 5 बजे महाराजा नरेंद्र सिंह ऑडिटोरियम में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी अनिल पंड्या ने बताया कि सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर आधारित इस काव्य गोष्ठी में आमजन को यातायात नियमों के प्रति सजग रहने, हेलमेट, सीट बेल्ट लगाने, ओवर स्पीडिंग न करने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन, मादक पदार्थों का उपयोग न करने आदि विषयों पर स्वरचित कविताओं, मुक्तक, गीत, संगीत का पाठ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि काव्य गोष्ठी में प्रस्तुत श्रेष्ठ रचनाओं को पुस्तक का रूप देकर लोकार्पण भी करवाया जाएगा। कार्यक्रम के प्रथम चरण में रचना प्रस्तुति हेतु 3 मिनट का समय दिया जाएगा।

भटिंडा से सूरतगढ़ चलने वाली ट्रेन के समय में बदलाव

अनूपगढ। भटिंडा से सूरतगढ़ रूट पर चलने वाली ट्रेन के समय में किए गए बदलाव ने यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गाड़ी संख्या 59720 पहले भटिंडा से दोपहर 2:20 बजे रवाना होकर शाम 5:50 बजे सूरतगढ़ पहुंचती थी, लेकिन अब इसका समय बदलकर दोपहर 1 बजे कर दिया गया है। इस बदलाव के कारण ट्रेन सूरतगढ़ में 4:50 बजे पहुंचकर सवा घंटे तक वहीं खड़ी रहती है, जिससे यात्रियों को अनावश्यक प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

■ **यात्रियों को करना पड़ रहा डेढ़ घंटे का इंतजार, दो ट्रेनों के क्रॉसिंग की सुविधा भी खत्म**

समय परिवर्तन का सबसे बड़ा नुकसान हनुमानगढ़ में होने वाले दो ट्रेनों के क्रॉसिंग की सुविधा खत्म होना है। इससे सादुलपुर, नोहर और भादरा से आने वाले यात्री प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अब मजबूरन बसों का सहारा लेना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर अनूपगढ़ रेल विकास समिति ने उत्तर पश्चिम रेलवे मंडल, बीकानेर के मंडल प्रबंधक से हस्तक्षेप की मांग की है। समिति के पदाधिकारियों गंगाबिशन सेतिया, जालंधर सिंह तूर, अवतार सिंह, सरबजीत सिंह, ओम चुघ और सुखविंदर सिंह मक्कड़ ने बताया कि पहले की व्यवस्था में ट्रेन सूरतगढ़ से शाम 6:10 बजे अनूपगढ़ के लिए रवाना होती थी, जो यात्रियों के लिए सुविधाजनक था। समिति ने ट्रेन का समय पुरानी व्यवस्था के अनुसार दोपहर 2:20 बजे करने की मांग की है, ताकि यात्रियों को होने वाली परेशानियों से निजात मिल सके और रेल सेवा का बेहतर उपयोग हो सके।

सादुलपुर-हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर अब 4:15 बजे हनुमानगढ़ पहुंचती है, जबकि गाड़ी संख्या 59720 इससे पहले ही रवाना हो जाती है। इससे सादुलपुर, नोहर और भादरा से आने वाले यात्री अब बसों पर निर्भर हो गए हैं। समिति ने यात्रियों की सुविधा के लिए पुराना समय बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि यह परिवर्तन उनके यात्रा अनुभव को कठिन बना रहा है।

परिलाभों के भुगतान के लिए रोडवेज कर्मी करेंगे आंदोलन

बीकानेर। रोडवेज सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने बकाया रिटायरमेंट पर मिलने वाले परिलाभों, समय पर पेंशन और अन्य सुविधाओं के भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है।

केंद्रीय बस स्टैंड पर आयोजित मासिक बैठक में कर्मचारियों ने सरकार और रोडवेज प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए शीघ्र भुगतान की मांग की। बैठक की अध्यक्षता हनुमंत मेहरा, लीला कृष्ण और बालकृष्ण अग्रवाल ने की, जबकि संचालन शाखा सचिव गिरधारीलाल ने किया। गिरधारीलाल ने बताया कि रोडवेज सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन निर्धारित समय पर नहीं मिलती है।

वर्तमान में दिसंबर 2024 की पेंशन भी लंबित है। इसके अलावा, वर्ष 2023 और 2024 के विभिन्न रिटायरल परिलाभ जैसे ओवरटाइम, नाइट ड्यूटी, सवैतनिक अवकाश, उपार्जित अवकाश और ग्रेच्युटी का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है। लगभग 7,000 कर्मचारियों का करोड़ों रुपया बकाया है। कर्मचारियों की प्रमुख समस्याओं में बैठक में बताया गया कि रोडवेज विभाग घाटे में चल रहा है। विभाग को सरकार से मिलने वाला अनुदान भी समय पर नहीं आता, जिससे वेतन और पेंशन में देरी होती है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि सरकार रोडवेज को नई बसें देने और भुगतान करने के दावों के माध्यम से भ्रमित प्रचार कर रही है।

शहर के पांच मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति पर लगाई रोक

बीकानेर। शहर के 9 मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति मामले में बड़ा मोड़ आ गया। प्रदेश अपील समिति ने प्रदेश के 14 मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति पर रोक लगा दी है जिसमें शहर भाजपा के 5 मंडल अध्यक्ष शामिल हैं। प्रदेश अपील समिति ने बीकानेर शहर के रानीबाजार, जूनागढ़, पुराना शहर, जस्सूसर और नयाशहर मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति पर रोक लगाई है। इसके अलावा जयपुर के जलमहल, पौंड्रिक, चौमूं नगर, सेवर, रूदावल, डूंगरखेड़ा,मालाखेड़ा, रतनगढ़ और खोह मंडल अध्यक्षों की नियुक्त पर भी रोक लगाई है। साथ ही 5 मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति निरस्त भी कर दी है। जिन मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति खारिज की है उसमें अलवर के थानागाजी, भरतपुर के उच्चैन, जालौर के भीनमाल नगर, उदयपुर के डबोक और सिरोही जिले के पोसलिया मंडल अध्यक्ष शामिल हैं।

प्रदेश अपील समिति के प्रदेश संयोजक राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, सह संयोजक अजयपाल सिंह और सह संयोजक योगेन्द्र सिंह तंवर हैं। इन तीनों को प्रदेश भर से मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर शिकायतें सुनने के बाद निणर्य करने का अधिकार दिया गया था। कमेटी ने प्रदेश भर से आई शिकायतों पर मीटिंग तथ्यात्मक निणर्य लिया और ये निणर्य लिया। प्रदेशभर में बीकानेर एक मात्र ऐसा जिला निकला जहां के एक साथ 5 मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति पर रोक लग गई। उल्लेखनीय है कि मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति के वक्त से ही आक्रोश बढ़ रहा था। तमाम लोगों ने अलग-अलग कमेटी के समक्ष शिकायतें की थी।

इनका कहना है 'शिकायतों के तथ्य चेक किए गए। जहां बिलकुल ही गलत निणर्य हुआ उन पांच मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति निरस्त कर दी गई। जहां कुछ शक पाया गया वहां रोक लगाई गई है। बीकानेर के पांच मंडल अध्यक्षों की अब गहनता से जांच के बाद ही वापस निणर्य होगा। तब तक के लिए ये पांच मंडल अध्यक्ष नियुक्त पर रोक है।'

साइबर सुरक्षा पर स्कूली बच्चों को किया जागरुक

अनूपगढ़। ब्लॉक स्थित रामसिंहपुर मंडी के सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रामसिंहपुर के एसएचओ सुभाष बरौला ने छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा को लेकर जागरुक किया।

एसएचओ सुभाष बरौला ने विद्याथिर्यों को अनजान व्यक्तियों द्वारा भेजे गए लिंक से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी अपरिचित व्यक्ति को बैंक विवरण या आधार कार्ड की जानकारी नहीं देनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग के दुष्प्रभावों से बचने की सलाह देते हुए छात्रों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

25 हजार नहीं देने पर बोलेरो में लगाई आग

हनुमानगढ़, जिले के भादरा थाना क्षेत्र में शराब ठेके पर मासिक वसूली को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। शराब ठेके के हैल्पर अमित ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि कुलदीप गोस्वामी और फौजी नाम के व्यक्ति पिछले कुछ समय से 25 हजार रुपए मासिक वसूली की मांग कर रहे थे। पीडित अमित ने बताया कि वह अनूपशहर में शराब ठेके पर हैल्पर का काम करता है। आरोपियों ने धमकी दी थी कि अगर पैसे नहीं दिए तो शराब ठेका नहीं चलने देंगे और बड़ा नुकसान पहुंचाएंगे। जब इस बारे में ठेकेदार सुभाष को बताया गया, तो उन्होंने मामले को सुलझाने का आश्वासन दिया इस बीच कुलदीप गोस्वामी को आबकारी विभाग ने अवैध शराब बेचने के मामले में गिरफ्तार किया और भादरा थाने में अवैध पिस्तौल का मुकदमा भी दर्ज हुआ। इसके बाद आरोपियों ने अमित को फिर से धमकी दी कि ये मुकदमे उसकी शिकायत पर दर्ज हुए हैं। देर रात करीब 2 बजे जब अमित ठेके के कार्यालय में सो रहा था, तब शीशे टूटने की आवाज सुनकर वह जागा। देखा कि कुलदीप गोस्वामी वहां खड़ा था और बोलेरो में आग लगी हुई थी। गाड़ी में रखे अमित के आधार कार्ड और 5 हजार रुपए भी चोरी कर लिए गए। भागते समय आरोपी ने फिर से धमकी दी कि या तो मासिक वसूली दो, या और बड़े नुकसान के लिए तैयार रहो। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान हैड कॉन्स्टेबल राजेन्द्र सिंह के सुपुर्द किया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दर्शायी गयी तिथि में सील की गई खुली निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या** : एस.एण्ड.टी.-बी.के.एन. ईटी-312 **कार्य का नाम व स्थान** : बीकानेर मंडल पर SSE/Sig/HMH (हनुमानगढ़) के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत विभिन्न समपार फाटकों पर ROB/RUB के प्रावधान के लिए S&T विभाग के संबंधित कार्यो का प्रावधान। **अनुमानित लागत मूल्य** : रू. 8277899.93 **बिड सिक्यूरिटी राशि (रू.में)** :165600.00 **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय** : 12.02.25 को 15.00 बजे तक **वेब साइट** जहां निविदा का पूरा विवरण देखा व डाउनलोड किया जा सकता है : www.ireps.gov.in
82-DR/25
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 12.02.2025 को 15:00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं :-**क्रमांक : 1 निविदा संख्या** : SnT-GS-BKN-2024-25-01 **कार्य का नाम व स्थान** : बीकानेर मंडल में सूरतगढ़ (एसओजी),हनुमानगढ़ (एचएमएच), सातरोड (एसटीडी), रमन(आरएमएन), सिरसा (एसएसए) और लालगढ़ (एलजीएच) स्टेशनों पर सीसीटीवी के प्रावधान के साथ-साथ गुड्स शेड विकास कार्य । **अनुमानित लागत** : रू. 2,46,52,640.16 **बिड सिक्यूरिटी राशि (रूपये)** :रू.273300.00 **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय** : बोली शुरू होने की तारीख 29.01.2025 और निविदा बंद होने की तारीख और समय 12.02.2025 को 15.00 बजे तक। **नोट** :-अन्य शर्तें रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।
87-DR/25
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

पुलिस वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर नोखा विधायक

बीकानेर। 21 जनवरी एसआई सुरेश कुमार व साथी पुलिस वालों के खिलाफ देशनोक पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर पर कार्यवाही करने के लिए नोखा विधायक सुशीला रामेश्वर डूडी, जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल और देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक से मिला। दर्ज एफआईआर पर शीघ्र कार्यवाही करने की मांग की।

■ **जिलाप्रमुख मिले पुलिस अधीक्षक से**

पीड़ित सहीराम पुत्र मोहनलाल निवासी बासी ने बताया कि वह तथा चालक चरनजीत सिंह ट्रेलर नम्बर आरजे 07 जीडी 1581 में गुजरात से कोयला भरकर पंजाब भारतमाला रोड से लेजा रहे थे। 19 जनवरी को सुबह 11:00 बजे लगभग देसलसर फांटा के पास आरटीओ की गाड़ी में सवार एसआई सुरेश कुमार व 04 अन्य सिपाहियों ने मेरी गाड़ी को रुकवाया, कागजात मांगे।हमने बिल्टी व अन्य सभी कागज दिखा दिये,तब उन्होंने ओवरलोड होने की बात कही।हमने कहा अंडरलोड है तथा प्रमाण भी दिया।तब सुरेशकुमार ने दो हजार रुपये मांगे, हमने देने इनकार कर दिया।तब एसआई और अन्य सिपाहियों ने हमें धक्का देकर गाड़ी के नीचे पटककर गाड़ी की चाबी, जेब से तीस हजार रुपये व गाड़ी के कागजात छीनकर ले गए।जाते हुए एसआई सुरेश ने धमकी दी कि मैं रासीसर का लोकल हूँ, भारतमाला पर चलना है तो मुझे पैसे देने होंगे।अगर शिकायत की तो झूठे मुकदमे में फंसा दूंगा। इसी आशय की एक एफआईआर हमने देशनोक पुलिस थाना में 20 जनवरी को दर्ज करवाई है। नोखा विधायक डूडी ने कहा कि यह सरासर अन्याय है दोषी सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिये ।जिलाप्रमुख मोडाराम मेघवाल ने कहा कि वर्दी और पद के दुरुपयोग करने के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए।जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा भारतमाला पर हो रही अवैध वसूली के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में कड़ी कार्यवाही नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जिला कांग्रेस संगठन महासचिव मार्शल प्रहलाद सिंह ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में जिपस जितेन्द्र कस्वां, राजपाल कुलहरि, श्रवण जाखड़, जेठाराम, दानाराम,गिरधारी कूकना, पप्पू गोदारा, बुधराम सियाग, महावीर, बजरंग, रमेश पूनियां आदि साथ थे।

कृषि विभागीय अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

बीकानेर। कृषि विभागीय अधिकारियों की दक्षता वृद्धि एवं कृषि-उद्यानिकी उन्नत नवाचारी तकनीकी से रूबरू कराने के क्रम में राष्ट्रीय मिशन एडिबल ऑयल (तिलहन) योजना के तहत कृषि विभागीय अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को कृषि अनुसंधान संस्थान, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक (कृषि) मदन लाल ने इस प्रकार के प्रशिक्षण समय-समय पर आयोजन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कृषि विभागीय अधिकारी इस प्रकार के प्रशिक्षण से सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करेंगे, जो उनके साथ साथ किसान हित में भी रहेगा। दक्षता वृद्धन के साथ अधिकारी किसानों को विभागीय योजनाओं का लाभ ओर सुचारू रूप से दे सकेंगे।

कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत ने बताया कि कृषि आयुक्तालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मिशन एडिबल ऑयल (तिलहन) योजना के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जिले के कृषि विभागीय अधिकारियों को नवाचारी उन्नत कृषि तकनीकी से परिचित करवाया जाना है। प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषि विस्तार के ऑफिसर्स को फसल उत्पादन संबधित तकनीकी जानकारी देना है ताकि उक्त प्रभावी उन्नत तकनीकी जानकारी को जिलें के कृषकों को दी जा सकें। इस क्रम में सहायक निदेशक कृषि बीकानेर के अधिकारीयों का प्रशिक्षण 21 व 22 जनवरी को, सहायक निदेशक कृषि छत्तरगढ़ के अधिकारीयों का प्रशिक्षण 30 व 31 जनवरी को, सहायक निदेशक कृषि श्रीडूंगरगढ़ व नोखा के अधिकारीयों का प्रशिक्षण 6 व 7 फरवरी को आयोजित किया जाएगा।

बीकानेर में कृषि विभागीय अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रो. एच एल देशवाल निदेशक, कृषि अनुसंधान संस्थान ने प्रतिभागी अधिकारियों से अपने अनुभव साझा किए एवं समन्वित कीट प्रबंधन पर विस्तार से बताया। प्रशिक्षण में डॉ अमर सिंह गोदारा ने कृषि फसलों में उन्नत तकनीकी व फसल प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। डॉ एस पी सिंह ने रबी फसल उत्पादन व फसलोत्तर प्रबंधन तकनीकी से प्रतिभागी अधिकारियों को अवगत करवाया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में योजना प्रभारी गिरीराज सिढा०यच, कार्यालय सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) बीकानेर के कृषि विभाग अधिकारियों के साथ उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में सहायक कृषि अधिकारी व कृषि पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक / निर्माण / 2024-25 / 1331 दिनांक 17.01.2025
ई- निविदा-सूचना सं0 92/2024-25
नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 27.95 लाख
UBN Number :- DLB2425WSOB15299
आयुक्त
नगर निगम, बीकानेर
राज.संवाद / सी / 24 / 10609

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/3334 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 21.1.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संदीप शर्मा पुत्र श्री किशन गोपाल शर्मा निवासी वार्ड नं. 16, मिनी मायापुरी, नजदीक आदर्श सिनेमा, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्तानुसार है

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 39/41 किला नं. 4 में माप 15 इंटू 50 फीट भू.सं. ए-40 पार्ट बी, लक्ष्मीनगर, श्रीगंगानगर	उक्त भूखंड का नियमन पट्टा सं. 724 दिनांक 3.1.2001 को श्री रामप्रताप पुत्र श्री महीराम के नाम से जारी किया हुआ है।	श्री संदीप शर्मा द्वारा उक्त भूखंड को जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 11.10.2010 के द्वारा क्रय कर उक्त भूखंड के नामान्तरण बाबत न्यास में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध मेंश्री संदीप शर्मा पुत्र श्री किशन गोपाल शर्मा निवासी वार्ड नं. 16, मिनी मायापुरी, नजदीक आदर्श सिनेमा, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यायल समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन सं. :- SGNR/FY24-25/MUT/1225
सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

MARUTI SUZUKI ARENA

EECO
MAKES EVERY JOURNEY SPECIAL

FUEL EFFICIENCY#

PETROL	CNG
19.71 km/l	26.78 km/kg

ESP COMES STANDARD

1.2L ADVANCED K-SERIES DUAL JET, DUAL VVT ENGINE

POWERFUL AIR CONDITIONER WITH HEATER

AVAILABLE IN 5 AND 7 SEATER

11+ SAFETY FEATURES WITH DUAL AIRBAGS

ELECTRONIC STABILITY PROGRAM

3 years 100 000 km WARRANTY* EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

SPECIAL OFFERS UP TO ₹38 100**

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @ WWW.MARUTISUZUKI.COM

**Terms and conditions apply. Creative Visualization. #Fuel efficiency as certified by test agency under Rule 115 CMVR 1989. Black Glass on the vehicle is due to lighting effect. Features and accessories shown may not be a part of standard fitment. Images used are for illustration purposes only. For details on functioning of safety features, including airbags, kindly refer to the Owner's Manual. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. ^Scrappage bonus available against valid certificate of deposit.

EECO